राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 18 जुलाई 2025 वर्ष-8, अंक-149 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-7490923915

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

चीन ने भारत और रूस के साथ त्रिपक्षीय सहयोग को फिर से शुरू करने की वकालत की

** कहा-त्रिपक्षीय सहयोग न सिर्फ तीनों देशों, बल्कि विश्व सुरक्षा के लिए भी अहम*

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने गुरुवार को ठंडे बस्ते में पड़ चुके रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग को फिर से शुरू करने की वकालत की है। पहले रूस की तरफ से यह पहल की गई थी, जिसका बीजिंग ने समर्थन किया है। चीन ने कहा कि रूस, भारत और चीन का त्रिपक्षीय सहयोग न सिर्फ तीनों देशों के हित में है, बल्कि क्षेत्र और विश्व की सुरक्षा और स्थिरता के लिए भी काफी अहम है।

रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रुडेंको के हवाले से कहा गया है कि मास्को आरआईसी फॉर्मेट की बहाली की उम्मीद करता है और इस मुद्दे पर बीजिंग और नई दिल्ली के साथ बातचीत कर रहा है। रुडेन्को ने कहा कि यह मुद्दा दोनों के साथ हमारी बातचीत का हिस्सा है। हम इस फॉर्मेट को सफल बनाने में रुचि रखते हैं, क्योंकि ब्रिक्स के संस्थापकों के अलावा ये तीनों देश अहम साझेदार भी हैं। रूस के उप विदेश मंत्री ने कहा कि मेरी राय में इस फॉर्मेट की कमी सही नहीं लगती। इस बारे में हम उम्मीद करते हैं कि देश आरआईसी के ढांचे के भीतर काम फिर से शुरू करने पर सहमत होंगे। बेशक, जब इन राज्यों के बीच संबंध उस स्तर पर पहुंच जाएंगे जो उन्हें त्रिपक्षीय फॉर्मेट में काम करने की इजाजत देता है।

विश्व शांति और प्रगति के लिए जरूरी

मीडिया ब्रीफिंग में रुडेन्को के बयान पर रिएक्ट करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने गुरुवार को कहा कि चीन-रूस-भारत सहयोग न सिर्फ तीनों देशों के संबंधित हितों को पूरा करता है, बल्कि क्षेत्र और विश्व में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और प्रगति को बनाए रखने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि चीन त्रिपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए रूस और भारत के साथ डायलॉग बनाए रखने को तैयार है। आरआईसी की बहाली में रूस और चीन की रुचि हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर की स्ह्ह विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन यात्रा के बाद बढ़ी है। इस दौरान उन्होंने विदेश मंत्री वांग यी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव समेत टॉप चीनी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी।

भारत-चीन टकराव से रुका सहयोग

लावरोव ने पिछले साल कहा था कि आरआईसी फॉर्मेट में जॉइंट वर्क पहले कोरोना वायरस के कारण और बाद में 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सैन्य गतिरोध के कारण रुक गया था। लद्दाख गतिरोध के कारण भारत-चीन संबंधों में चार साल से ज़्यादा समय तक ठहराव रहा। पिछले साल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात के बाद द्विपक्षीय संबंधों में फिर से जान आई है। तब से दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार वार्ता चल रही है।

संबंधों को पटरी पर लाने की कवायद

विदेश मंत्री जयशंकर की हालिया यात्रा, एनएसए अजीत डोभाल और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की चीन यात्रा के बाद हुई है। लावरोव ने मई में कहा था कि रूस, जिसके भारत और चीन के साथ मजबूत संबंध हैं, आरआईसी फॉर्मेट की बहाली में वास्तव में रुचि रखता है। उन्होंने कहा कि रूस के पूर्व प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव की ओर से शुरू की गई त्रिपक्षीय व्यवस्था के तहत तीनों देशों के बीच अलग-अलग स्तरों पर 20 बैठकें हुई हैं। ये तीनों देश ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) और इस ग्रुप के न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) के गठन में प्रमुख भूमिका में थे, जिसमें अब 10 सदस्य हैं।

बीजिंग को सता रहा किस बात का डर

भारत और चीन के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता और बीजिंग की ओर से अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान को उसकी भारत विरोधी गतिविधियों में लगातार समर्थन देने सहित अनेक मुद्दों ने आरआईसी की प्रासंगिकता और महत्व को कम कर दिया है। हाल ही में, आरआईसी की बहाली में रूस और चीन की रुचि बढ़ रही है, क्योंकि भारत क्वाड का सदस्य बन गया है। यह अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया का उभरता हुआ गठबंधन है, जिसे बीजिंग अपने प्रभाव को रोकने के मकसद से तैयार एक ग्रुप के तौर पर देखता है।

पृथ्वी-2 और अग्नि-1 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से पृथ्वी-2 और अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइलों का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया था। इन परीक्षणों में, दोनों मिसाइलों ने अपने सभी परिचालन और तकनीकी मानकों को सफलतापूर्वक पूरा किया। पृथ्वी-2 एक स्वदेशी रूप से विकसित, परमाणु-सक्षम, सतह से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता 350 किलोमीटर है। यह मिसाइल उन्नत जड़त्वीय मार्गदर्शन प्रणाली का उपयोग करती है। अग्नि-1 भी एक स्वदेशी रूप से विकसित, परमाणु-सक्षम, सतह से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता 700 से 1200 किलोमीटर है। यह एक ठोस ईंधन वाली मिसाइल है, जिसे किसी भी स्थान से लॉन्च किया जा सकता है। अग्नि-1 को 2004 में भारतीय सेना में शामिल किया गया था। इन सफल परीक्षणों से भारत की सामरिक क्षमताओं में वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। गुरुवार को दोनों नेताओं की मुलाकात विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कार्यालय में हुई। यह बैठक करीब 20 मिनट तक चली। इस बैठक में आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे। इस मुलाकात पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि आज हमने मुख्यमंत्री को एक संकलन दिया है, जिसमें लिखा है कि पहली कक्षा से तीन-भाषा नीति क्यों नहीं होनी चाहिए। बता दें कि बुधवार को विधानसभा में फडणवीस ने साफ कहा था कि भारतीय जनता पार्टी 2029 तक विपक्ष में जाने वाली नहीं है। उन्होंने उद्धव ठाकरे को इशारों में संदेश दिया था कि वह चाहें तो किसी अलग रास्ते से सत्तापक्ष में आ सकते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब उद्धव ठाकरे लगातार गठबंधन सरकार की तीन-भाषा नीति को लेकर आलोचना कर रहे हैं। शिवसेना और भाजपा ने 25 साल तक साथ मिलकर महाराष्ट्र में राजनीति की। लेकिन 2014 में सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों में दरार आ गई। 2019 में उद्धव ठाकरे ने भाजपा से नाता तोड़कर कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। लेकिन 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद सरकार गिर गई और फडणवीस ने शिंदे के साथ मिलकर सत्ता संभाली।

संसद के मानसून सत्र में होगा शक्ति प्रदर्शन, गठबंधन की मजबूरी में सरकार

-21 जुलाई से शुरु होगा संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक निर्णायक संघर्ष का मैदान बनने जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यह सत्र न केवल विधायी एजेंडे को लेकर, बल्कि सत्ता की स्थिरता और विपक्ष की शक्ति प्रदर्शन को लेकर भी बेहद अहम होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो कि इससे पहले तक पूर्ण बहुमत वाली सरकारों का नेतृत्व करते रहे हैं, अब गठबंधन की सरकार चला रहे हैं। इस बार संसद में विपक्ष भी पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुआ है। ऐसे में मानसून सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपने अस्तित्व और प्रभाव के लिए पूरी ताकत झोंक सकते हैं। सरकार में भाजपा के दो प्रमुख सहयोगी—तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू)—केंद्रीय सत्तारूढ़ गठबंधन की रीढ़ बने हुए हैं। लेकिन दोनों दलों के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद उभरते दिख रहे हैं। यदि इन दलों का समर्थन हटा, तो सरकार संकट में आ सकती है और मध्यावधि चुनाव की नौबत भी आ सकती है।

विवादित मुद्दों से माहौल होगा गर्म- विपक्षी इंडिया गठबंधन ने पहले ही कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी कर ली है। ऐसे ही मुद्दों में बिहार में मतदाता सूची पर विवाद और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल, जम्मू-कश्मीर का पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर में कथित खामियां, पाकिस्तान-चीन गठजोड़, सेना पर राजनीतिक हस्तक्षेप, मणिपुर में अशांति, दलाई लामा पर चीन की नाराज़गी, भारत-चीन व्यापार घाटा और चीन दौरे पर भारतीय मंत्रियों की चुप्पी, अमेरिका से व्यापारिक दबाव, रूस से डिफेंस डील पर दवाब प्रमुख हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने देश के स्वच्छ शहरों को किया सम्मानित, इंदौर, सूरत और नवी मुंबई को शीर्ष रैंकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वच्छता में अव्वल आने वाले शहरों को सम्मानित किया है। गुरुवार को राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 'स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार' प्रदान किए। मध्य प्रदेश का इंदौर शहर 8वीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है। स्वच्छता रैंकिंग में सूरत और नवी मुंबई क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे हैं।

इस बार 4 अलग-अलग श्रेणियों में कुल 78 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरस्कार हासिल करने वाले विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा, ÷आप सबने स्वच्छता के राष्ट्रीय महायज्ञ में अपना योगदान दिया है। मैं आप सबकी सराहना करती हूं। स्वच्छ सर्वेक्षण ने हमारे शहरों द्वारा स्वच्छता के लिए किए गए प्रयासों के मूल्यांकन और प्रोत्साहन के क्षेत्र में एक सफल प्रयोग के रूप में स्वयं को सिद्ध किया है।÷

राष्ट्रपति ने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न हितधारकों, राज्य सरकारों, शहरी निकायों और लगभग 14 करोड़ नागरिकों की भागीदारी रही। उन्होंने कहा, 'स्वच्छता से संबंधित प्रयासों के आर्थिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक पहलू भी होते हैं।' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नागरिक पूरे समर्पण के साथ स्वच्छ भारत मिशन में भाग लेंगे।

उन्होंने कहा कि यदि हम ठोस संकल्प लें तो 2047 तक विकसित भारत दुनिया के सबसे स्वच्छ देशों में से एक होगा। सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को लेकर मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सम्मान हासिल किया। कैलाश विजयवर्गीय ने खुशी जताते हुए कहा, 'सुपर से ऊपर अपना मध्य प्रदेश।'

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों ने जो अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया है, वह हर प्रदेशवासी के हृदय को गर्व से भर देने वाला है। स्वच्छ सुपर लीग में इंदौर ने जहां अपनी स्वच्छता साधना को फिर सिद्ध किया है, वहीं बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन तथा मां नर्मदा के निर्मल तट पर बसे बुधनी ने भी प्रशंसनीय स्थान अर्जित कर प्रदेश की गौरवगाथा को विस्तार दिया है। राजा भोज की नगरी भोपाल, देवास एवं शाहगंज ने भी विविध श्रेणियों में पुरस्कृत होकर यह प्रमाणित कर दिया कि स्वच्छता अब मध्य प्रदेश की आत्मा में रच-बस गई है।' उन्होंने कहा, 'यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस स्वप्न का प्रतिफल है, जिसमें उन्होंने स्वच्छ भारत की चेतना जन-जन में जागृत की। मध्य प्रदेश इस पुनीत यज्ञ में अग्रणी बनकर देश को प्रेरणा दे रहा है।' उन्होंने कहा, 'इस ऐतिहासिक सफलता के अवसर पर मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव का अभिनंदन करता हूं, जिनके दृढ़ संकल्प और कुशल नेतृत्व में प्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में नव-आकाश का स्पर्श किया है। स्वच्छता की यह यात्रा चलती रहे, प्रदेश यूं ही यश पताका फहराता रहे, इसी मंगल कामना के साथ सभी प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं।' स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों में सूरत को दूसरा स्थान मिला है। इस पर गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'यह गुजरात के लोगों की जीत है। गुजरात के लोगों ने मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। गुजरात सरकार के जो प्रयास थे और सबसे पहले सूरत के उन सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूं, जो दिन-रात काम करते हैं, जो हमारे शहर को साफ रखते हैं। मैं सभी स्वच्छता दूतों का भी आभार व्यक्त करता हूं। मैं उनका आभारी हूं। उनकी कड़ी मेहनत के कारण ही आज गुजरात स्वच्छता सर्वेक्षण में अग्रणी है।'

हालांकि, 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में गुजरात का अहमदाबाद शहर पहले स्थान पर रहा है। अहमदाबाद शहर को यह सम्मान स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर प्रयास, स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के कारण प्राप्त हुआ है। नगर निगम की योजनाएं जैसे कि घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण केंद्रों की स्थापना, शहर को एक आदर्श मॉडल बनाती हैं।

केंद्रीय मंत्री शाह जयपुर में सहकारिता सम्मेलन में हुए शामिल, बांटे नियुक्ति पत्र

मोदी ने किया देश को सुरक्षित करने का सबसे बड़ा काम : अमित शाह

जयपुर (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में लोककल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने के साथ ऑपरेशन सिंदूर चलाकर देश को सुरक्षित करने का सबसे बड़ा काम करते हुए समृद्ध एवं विकसित भारत के सपने को जमीन पर उतरने का काम किया हैं। श्री शाह गुरुवार को जयपुर जिले के दादिया गांव में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अवसर पर आयोजित सहकार एवं रोजगार उत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस के शासन में आतंकवादी हमलों से त्रस्त था लेकिन श्री मोदी ने जब पूरी में आतंकवादी हमला हुआ तो सर्जिकल स्ट्राइक की और जब पूलवामा हमला हुआ तब एयर स्ट्राइक और पहलगाम आतंकवादी हमले होने पर ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान के घर में जाकर आतंकवादियों के परखचे उड़ाकर पूरी दनिया को मजबूत संदेश भेजने का काम किया कि भारत के नागरिकों, सेना और सीमा के साथ छेडखानी नहीं करते तो यह नतीजे नहीं भुगतने पड़ते। उन्होंने कहा कि इस प्रकार श्री मोदी ने देश को समृद्ध एवं विकसित भारत बनाने के सपने को जमीन पर उतरने एवं उसे सच्चा करने का काम किया हैं।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश ग्यारहवें स्थान से चौथे स्थान पर आकर दूनियां का चौथा अर्थ तंत्र बन चुका है। श्री मोदी ने पिछ्ले ग्यारह साल में गेंहू सहित कई फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमसएपी) में वृद्धि करने का काम किया। इसके अलावा उन्होंने 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने का काम भी किया वहीं 60 करोड़ लोगों के घरों में शोचालय बनाने का काम किया गया।

बारिश और बादल फटने से हिमाचल में 109 लोगों की मौत

- लैंडस्लाइड के कारण अमरनाथ यात्रा रुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक 109 लोगों की मौत हुई है। साथ ही भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाओं से 818 करोड़ की सरकारी और निजी संपत्ति का नुकसान हो चुका है।

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से अमरनाथ यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड हुई। गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग पर हुए भूस्खलन में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हुई, जबकि तीन घायल हो गए। यात्रा गुरुवार को दिनभर के रोक दी गई है।

वहीं मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में लगातार बारिश की वजह से ग्रामीण इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लोग सामान लेकर सुरक्षित स्थान की ओर जा रहे हैं। वहीं, बिहार के अलग-अलग जिलों में बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, राज्य में इस सीजन में औसत से 46 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी के बाद अमरनाथ यात्रा गुरुवार को दिनभर के लिए रोक दी गई। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से पटरियों की तुरंत मरम्मत करने की जरुरत है।

कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर ने बताया कि दिन में मौसम की स्थिति के आधार पर शुक्रवार से यात्रा फिर शुरू होगी। अब तक 2.47 लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं।

राजस्थान के धौलपुर में पार्वती बांध का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। पानी का स्तर 222.95 मीटर तक पहुंच चुका है, जबकि बांध की भराव क्षमता 223.41 मीटर है। बुधवार को पांच गेट खोलकर 5500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। नदी के करीब निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में हो रही बारिश का असर उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में दिखाई दे रहा है। यहां कनहर बांध का जलस्तर 255.900 मीटर तक पहुंच गया है। इसके चलते बांध के 8 गेट खोलने पड़े हैं। 3200.97 क्यूबिक मीटर प्रति सेकेंड की दर से पानी छोड़ा जा रहा है।

छात्रा की मौत पर ओडिशा बंद के दौरान कांग्रेस समेत 8 पार्टियों ने किया जोरदार प्रदर्शन

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में सेक्शुअल हैरेसमेंट मामले में छात्रा की मौत को लेकर विपक्ष ने गुरुवार 17 जुलाई को ओडिशा बंद के दौरान जबरदस्त प्रदर्शन किया है। बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों ने भद्रक में ट्रेन को भी रोक दिया। भुवनेश्वर में यात्री बसों का चक्काजाम रहा, जिससे यात्रियों ने पैदल ही घर तक का सफर तय किया। ओडिशा बंद के दौरान गुरुवार को भद्रक जिले के चेन्नई-कोलकाता हाईवे पर कुछ लोगों ने टायरों में आग लगा दी, इसके चलते ट्रकों की लंबी कतार लग गई। बंद के दौरान हुए प्रदर्शन को देखते हुए आसपास की दुकाने भी स्वत- बंद कर दी गईं थीं। बंद के समर्थन में बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। वहीं मयूरभंज की बात करें तो यहां पर भी लोग सड़क पर प्रदर्शन करने उतरे और छात्रा को न्याय दिलाने और कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग करते देखे गए। यहां बताते चलें कि ओडिशा बंद के दौरान हुए प्रदर्शन में कांग्रेस समेत 8 विपक्षी पार्टियां शामिल हुईं। इनमें प्रमुख रुप से बीजू जनता दल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, मार्क्सवादी सीपीआई(एम), सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया के नेतागण और अनेक कार्यकर्ता प्रदर्शन करते नजर आए।

भारत 40 देशों से खरीदता है तेल, रूसी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध को लेकर कोई चिंता नहीं : हरदीप पुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने वैश्विक बाजार में तेल खरीदने के अपने स्रोतों में विविधता ला दी है, इसलिए सरकार रूस के तेल निर्यात पर अमेरिका की किसी भी कार्रवाई को लेकर चिंतित नहीं है। ऊर्जा वार्ता 2025 में केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि भारत वर्तमान में 40 देशों से तेल खरीदता है, जबकि 2007 में यह संख्या 27 थी और वैश्विक बाजार में इसकी पर्याप्त आपूर्ति है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, 'बाजार में बहुत सारा तेल उपलब्ध है। ईरान और वेनेजुएला वर्तमान मैं प्रतिबंधों के अधीन हैं। लेकिन क्या वे हमेशा के लिए प्रतिबंधों के अधीन रहेंगे? ब्राजील, कनाडा और अन्य सहित कई देश उत्पादन बढ़ा रहे हैं। मैं अभी आपूर्ति को लेकर अनावश्यक रूप से चिंतित नहीं हूं। हमने अपने स्रोतों में विविधता ला दी है।' केंद्रीय मंत्री का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर सेकेंड्री सेंक्शन लगाने की घोषणा की पृष्ठभूमि में आया है।

15 जुलाई को ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर यूक्रेन के साथ 50 दिनों के भीतर शांति समझौता नहीं हुआ तो वे रूस पर गंभीर व्यापार प्रतिबंध लगा देंगे। ट्रंप ने कहा कि रूसी निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिए जाएंगे साथ ही उन्होंने रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन जैसे देशों पर प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी। ट्रंप की धमकियों पर केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, ÷मैंने ये धमकियां सुनी हैं। कुछ बयान दो विवादित पक्षों के बीच किसी मुद्दे को सुलझाने के लिए दिए जाते हैं।÷

केंद्रीय मंत्री पुरी ने आगे कहा कि मॉस्को से भारत की तेल खरीद ने वैश्विक बाजार में कीमतों को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 2022 में जब यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ, तब भारत-रूस तेल व्यापार के अभाव में कच्चे तेल की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती थीं। रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले भारत अपने कच्चे तेल के आयात का मात्र 0.2 प्रतिशत मॉस्को से खरीदता था। आज यह लगभग 40 प्रतिशत है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रूसी कच्चे तेल की कीमत हमेशा 60 डॉलर प्रति बैरल की सीमा के अंतर्गत रही है, लेकिन उस पर कभी प्रतिबंध नहीं लगे। उन्होंने कहा कि भारत प्रतिबंधों के अधीन किसी देश से कच्चा तेल न खरीदने के अपने रुख पर अड़ा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने इस महीने की शुरुआत में कहा, 'रूस प्रतिदिन 90 लाख बैरल से ज्यादा उत्पादन के साथ दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों में से एक है। कल्पना कीजिए कि अगर यह तेल, जो लगभग 9.7 करोड़ बैरल की वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 10 प्रतिशत है, बाजार से गायब हो जाता तो क्या होता। इससे दुनिया को अपनी खपत कम करने पर मजबूर होना पड़ता और क्योंकि उपभोक्ता आपूर्ति की तलाश में होते, इसलिए कीमतें 120-130 डॉलर से भी ज्यादा हो जातीं।'

आज फिर बिहार आएंगे पीएम मोदी, राज्य को देंगे करोड़ों रुपए की सौगातें

पटना (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को फिर से बिहार आ रहे हैं और चुनावी राज्य को कई सौगात देंगे। इस साल जनवरी के बाद से यह पीएम मोदी का यह बिहार का पांचवां दौरा होगा। इस साल अक्टूबर-नवंबर में बिहार में विधानसभा चुनाव होंगे। पीएमओ ने जानकारी देते हुए कहा कि बिहार के मोतिहारी में पीएम मोदी रेल, सड़क, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। बीजेपी की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के मुताबिक मोदी पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के गांधी मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के एजेंडे में बिहार शीर्ष पर है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सत्ता संभालने के बाद से वह 53वीं बार राज्य का दौरा करेंगे। राज्य में 7,196 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। जायसवाल ने कहा ये परियोजनाएं रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और सड़क, ग्रामीण विकास, पशुपालन और डेरी तथा सूचना प्रौद्योगिकी सहित विविध क्षेत्रों से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे से संबंधित परियोजनाओं की लागत 5,398 करोड़ रुपए है, जबकि राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़कों पर 1,173 करोड़ खर्च होंगे। डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से आईटी परियोजनाओं पर 63 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत माता का दुश्मन है चीन जिससे पास जाना देशहित में नहीं है

(लेखक – संजय गोस्वामी)

पाकिस्तान का ही नहीं बल्कि अब दूसरा दुश्मन देश बांग्लादेश का भी मित्र देश है चीन भारत का दोस्त नहीं दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर मैं खुल कर पाकिस्तान क़ो घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत क़ो नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर मैं आतंकवादी क़ो भेज रहा है और इन आतंकवादी क़ो चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत क़ो वहीँ जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात क़ो दर्शाता है कि आपकी नहीँ सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों का देश है और भारत किसी का गुलाम है

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (स्ष्ह) में सोमवार 15 जुलाई क़ो 5साल बाद जाना देश के लिए शर्म की बात है चीन में रहते हुए, जयशंकर मंगलवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने से देश के प्रति स्नेह नहीं व्यापार हेतु जाना ठीक नहीं था उन्होंने ऐ भी कहा कि पिछले नौ महीनों में भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में अच्छी प्रगति हुई है, और उन्होंने सीमा पर तनाव के समाधान का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। हालाँकि, उन्होंने सीमा से जुड़े अन्य पहलुओं, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है, पर ध्यान देने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

पाकिस्तान का ही नहीं बल्कि अब दूसरा दुश्मन देश बांग्लादेश का भी मित्र देश है चीन भारत का दोस्त नहीँ दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर मैं खुल कर पाकिस्तान क़ो घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत क़ो नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर मैं आतंकवादी क़ो भेज रहा है और इन आतंकवादी क़ो चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत क़ो वहीँ जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात क़ो दर्शाता है कि आपकी नहीँ सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों का देश है और भारत किसी का गुलाम है कि वो सिखायेगा कि भारत क़ो क्या करना है भारत के सैनिको मैं जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने क़ो तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिज़ाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश क़ो देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर क़ो हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल क़ो भी समझ आ गई होगी और रूस यूकेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर क़ो अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्ज़ा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मज़ाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका क़ो अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो क़ो पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम क़ो वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अत: ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से क़ोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश क़ो भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.चीन ने केवल भारत क़ो ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत क़ो भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध क़ो मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर बड़ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार क़ो न मान कर तिब्बत क़ो अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है.वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.इसलिए जहाँ देखें चीन की धरती है वहाँ कदम भी रखना देश के लिए ठीक नहीं है क्योंकि वहाँ वो आखिर आपकी क्या सुनेगा और खून का घुट पी कर आना पड़ेगा भारत स्वतंत्र देश है हम क्या ले क्या पहने ये मेरा अधिकार है चीन से तो बना हुआ क़ोई समान मैं तो नहीं लेता हूँ यहाँ तक की चाइनीज फ़ूड भी क्योंकि देश सर्वोपरि है हमारी टेक्नोलॉजी उससे बेहतर है तभी तो केरल में जासूसी करने आए एक ब्रिटिश विमान क़ो लॉक ही कर दिया चीन से सामान ही ना लो महात्मा गाँधी इसलिए विदेशी चीजों का वहिष्कार करते थे लेकिन आजादी के बाद देश का दुर्भाग्य ही कहे हमने उस पर अमल नहीं किया और आजादी के 77 साल बाद भी चीन की चाल क़ो समझ नहीं रहे हैं ये बाद में अत्यंत हानिकारक होगा.इसलिए चीन के समान जब भारत में देखता हूँ तो कुछ समय के लिए सोचता हूँ सस्ता तो है लेकिन ये खरीदने से चीन की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और इसी पैसे से फिर आतंकवादी क़ो भारत के खिलाफ हथियार देगा छोड़ो इसे नहीं चाहिए देश सर्वोपरि है.इससे विदेश में न्यूज़ में अच्छा नहीं लग रहा है भारत के स्वाभिमान का प्रश्न है भारतीय लोग भगवान राम के भक्त हैं जो मर सकते हैं लेकिन देश से कभी चीन और पाकिस्तान की धरती पर पैर नहीं रखेंगे जिन्होंने हमारे ही भाई बहन के पहलगांव में आतंकवादी हमले में मारे गए थे और पाकिस्तान के साथ युद्ध में चीन ने खुला समर्थन किया था ऐ मैं नहीं सेना के उप प्रमुख कह चुके हैं अत: सर कटा सकते हैं लेकिन दुश्मन के आगे सर नहीं झुका सकते हैं यहीं गुरु गोविन्द सिंह जी ने भी भारतीय क़ो एक संदेश दिया कि अपना ईमान धर्म कभी दुश्मन के आगे नहीं झुकाना शरीर का क्या है ऐ तो मरने के लिए ही पैदा हुआ है लेकिन भारत माता के सम्मान में ही मरेगा और कभी दुश्मन के सामने कदम भी नहीं रखेगा क्योंकि उसने हमें नहीं देश की सेना क़ो कुचलने का प्रयास किया लेकिन हमारे सैनिकों ने मुहतोड़ जबाब दिया. सेना के स्वाभिमान क़ो समझना चाहिए वो सिर्फ पैसे के लिए नहीं लड़ते हैं वे देश के हीरो है जो अपनी जान की बाजी लगा कर हम सभी की रक्षा कर भारत माता क़ो सर्वोपरि मानते हैं उसे छुपाने के लिए कुछ मीडिया का ऐ कहना की अमेरिका क़ो मुँह दिखाने के लिए ऐ वहाँ अच्छा रिश्ता के गए हैं लेकिन कैसे होगा धोखेबाज चीन से जब हमारे वीर सैनिक दलवान में शहीद होते हैं और सीने में गोली खाते हैं क्या देश का सम्मान यहीं है एक तरफ आप खुनी लोगों के आतंकी क़ो सपोर्ट करो और फिर देश का बड़े ओहादा के मंत्री क़ो वहाँ जाना कहाँ तक उचित है अमेरिका तो बहुत दूर है लेकिन जो सामने आपका दुश्मन खड़ा है उसे कैसे भूल सकते हैं इससे सेना का अपमान होता है देश सर्वोपरि है उसकी रक्षा करना किसी एक की नहीं 140 करोड़ लोगों की ताकत है जो दुश्मन के दरवाजे की ओर जाना तो दूर ताकझाँक तक नहीं करेगा. वन्दे मातरम।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

धूमधाम से भारत में प्रवेश

जिस दिन देश में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री में कमी आने की रिपोर्ट आई ठीक उसी दिन अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला ने धूमधाम से भारत में प्रवेश कर लिया। टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोला है। खेद की बात यह कि कंपनी भारत में कार बनाने नहीं, बल्कि आयातित कारें बेचने आई है। मस्क ने इससे पहले उच्च आयात शुल्क को कंपनी के भारत में नहीं आने की वजह बताया था। कंपनी चीन स्थित शंघाई विनिर्माण संयंत्र में बने मॉडल 'वाई' को आयात करके भारत में बेचेगी जिसकी शुरुआती कीमत 59.89 लाख रुपये है। मध्यम आकार की इलेक्ट्रिक एसयूवी 'वाई' कभी दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार थी। यह भारत में दो संस्करणों में उपलब्ध होगी। दोनों कारें एक बार की चार्जिंग में क्रमश- 500 और 622 किमी. का सफर तय कर सकती हैं। मस्क की कंपनी टेस्ला कुछ समय से बिक्री में गिरावट से जूझ रही है। मस्क लंबे समय से भारत में टेस्ला को लाने की प्लानिंग कर रहे थे। उनकी योजना भारत में टेस्ला का कारखाना लगाने की भी थी। भारत में जिस मॉडल की कीमत लगभग 60 लाख रु पये है, उसी मॉडल की कीमत अमेरिका में 44,990 डॉलर यानी लगभग 39 लाख रु पये है, चीन में 36,700 डॉलर यानी 32 लाख रु पये और जर्मनी में 45,970 डॉलर यानी करीब 39 लाख 50 हजार रुपये है। टेस्ला भारत में जिन कारों को ग्राहकों के लिए लेकर आएगी उन पर करीब 100 फीसद टैरिफ लगेगा। टेस्ला के भारत में आने से हमें बहुत खुश होने की जरूरत नहीं है। जब तक यह भारत में विनिर्माण संयंत्र नहीं लगाती तब तक भारतीयों को अपने बीच के ही चंद अरबपतियों की कारें देख कर खुश होना पड़ेगा। वैसे भी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों के प्रीमियम ग्रुप को ही लक्ष्य बना रही है। ये भारत के कुल ऑटोमोबाइल मार्केट का 4 फीसद है। टेस्ला, इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली घरेलू कंपनियों जैसे टाटा मोटर्स और महिंद्रा से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगी। उसका मुकाबला होगा बीएमडब्ल्यू और मर्सडीज-बेंज से। सरकार कहती है कि देश में लोग तेजी से गरीबी की रेखा से ऊपर आ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की राय इसके उलट है। आप भी टेस्ला की कार चलाना चाहते हैं तो अमेरिका से ट्रेड डील या भारत के टैरिफ घटाने का इंतजार करें।

स्वास्थ्य उपचार में जगी नई उम्मीदें

ड्रोन प्रौद्योगिकी/ दीपिका अरोड़ा

कार्यक्षेत्र के आधार पर अपेक्ष्य अनूठी क्षमताओं तथा विशेषताओं को संज्ञान में रखते हुए विशिष्ट अनुप्रयोगों तथा उद्योगों के लिए तैयार 'ड्रोन' अपनी बहु-उपयोगिता के चलते विविध क्षेत्रों में ख़ासी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। दरअसल, ड्रोन तकनीक को उद्योग जगत में सर्वाधिक मान्यता इसकी विविधता के कारण मिली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संचार नेटवर्क तथा कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों में प्रगति के कारण ड्रोन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। हालांकि, शुरुआती दौर में इसका उपयोग सीमा नियंत्रण, टोही मिशन तथा लक्ष्य ट्रैकिंग आदि के मद्देनज़र बहुधा सैन्य क्षेत्र तक ही सीमित रहा किंतु जैसे ही अन्य क्षेत्रों को इसके व्यापक अनुप्रयोगों के बारे ज्ञात हुआ तो उन्होंने अविलंब ड्रोन तकनीक अपनाना आरम्भ कर दिया।

सैन्य निगरानी व हमलों में प्रयुक्त किए जाने वाले रिमोट कंट्रोल अथवा स्वायत्त प्रणालियों द्वारा निर्देशित ड्रोन अब मानव रहित विमान (यूएवी) के तौर पर आधुनिक युद्ध पद्धति में पसंदीदा हथियार बनकर उभर रहे हैं। वहीं कृषि, मीडिया, फ़िल्म निर्माण उद्योग जैसे अन्य अनेक क्षेत्रों में भी इनका वर्चस्व बराबर बढ़ा है।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन का महत्व देखें तो महज़ 15 मिनट में ये लगभग 2.5 एकड़ भूमि पर कीटनाशकों का छिड़काव करने का सामर्थ्य रखते हैं। इनका उपयोग जहां कृषि गतिविधियों जैसे फ़सल निगरानी, भूमि मानचित्रण, कीट पहचान, कीटनाशक छिड़काव तथा सटीक सिंचाई आदि के लिए किया जाता है, वहीं इसके माध्यम से किसान अपने मवेशियों पर भी निरंतर नज़र बनाए रख सकते हैं। थर्मल सेंसर तकनीक खोये जानवर खोजने से लेकर उन्हें लगी चोट या बीमारी का पता लगाने में मददग़ार बनती है। कृषि बीमा क्षेत्र तक कुशल व भरोसेमंद आंकड़ों के लिए एग्री ड्रोन पर विश्वास जताते हैं। भारतवर्ष में ड्रोन स्टार्टअप का आविष्कार, ड्रोन-प्लांटिंग सिस्टम जहां लागत लगभग 85 प्रतिशत तक घटा देता है, वहीं स्थिरता व दक्षता अपेक्षाकृत बढ़ा देता है।

पर्यावरण निगरानी गतिविधियों जैसे- वन्यजीव ट्रैकिंग, वन मानचित्रण, प्रदूषण आकलन तथा जलवायु अनुसंधान में भी ड्रोन का उपयोग तेज़ी से बढ़ा है। बाढ़, भूकंप, जंगल की आग आदि सहित आपदा प्रबंधन परिदृश्यों में भी ड्रोन लाइव फीड प्रदान करने, पीड़ितों का पता लगाने तथा सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संरचनात्मक सुरक्षा बढ़ाने तथा बुनियादी ढांचे की निगरानी करने वाले ड्रोन मैनुअल ज़ोखि़म घटाने में भी सहायक बनते हैं।

मीडिया तथा फिल्म निर्माण में गतिशील लाइव इवेंट कवरेज तथा सिनेमाई हवाई दृष्टिकोण प्रदान करने हेतु ड्रोन व्यापक रूप से प्रयुक्त किए जाते हैं। अनेक कंपनियां अपने गोदाम से ग्राहकों के दरवाज़े तक सीधी पहुंच बनाने के उद्देश्य से डिलीवरी ड्रोन विकसित कर रही हैं।

हाल ही में ड्रोन की गतिशीलता के दृष्टिगत किया गया पायलट अध्ययन स्वास्थ्य उपचार की दिशा में आशा की एक नई किरण लेकर आया है। आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में रक्त एवं रक्त-घटकों का समय रहते उपलब्ध होना किसी उपचाराधीन व्यक्ति के लिए संजीवनी बन सकता है। भारतवर्ष जैसे बड़े देश की विविध क्षेत्रीय भौगोलिक विभिन्नता का जायज़ा लें तो सड़क मार्ग द्वारा समयानुकूल आपूर्ति होने में शंकाएं बनी रहती हैं। उखड़ती सांसों के लिए प्रतिक्षण के महत्व को भांपते हुए वैज्ञानिकों ने दिल्ली तथा एनसीआर के तीन संस्थानों; लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज तथा जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने साथ मिलकर एक अध्ययन किया, जिसमें ड्रोन तकनीक का प्रयोग चुनौती के प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर सामने आया।

विशेषज्ञों के तहत, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में किए गए इस अध्ययन के दौरान ड्रोन ने लगभग 36 किलोमीटर की दूरी मात्र

आठ मिनट में तय कर ली, जबकि पारंपरिक वैन को यही दूरी तय करने में 55 मिनट का समय लगा। अध्ययन में कुल 60 ब्लड बैग्स का उपयोग किया गया; जिसमें पूर्ण रक्त, पैक्ड रेड ब्लड सेल्स, फ्रेश फ्रोज़न प्लाज्मा तथा प्लेटलेट्स शामिल थे। ड्रोन व वैन दोनों द्वारा भेजे गए इन नमूनों की बाद में उनके जैव-रासायनिक मानकों की तुलना करने पर परिणाम सकारात्मक ही रहे। अध्ययन की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु नमूनों की गुणवत्ता जांचने के लिए 'डबल ब्लाइंड' पद्धति अपनाई गई। वैज्ञानिकों की मानें तो भविष्य में यह तकनीक वैक्सीन, इमरजेंसी ड्रग्स तथा सर्जिकल उपकरणों की आपूर्ति में भी उपयोगी हो सकती है। इससे ग्रामीण व दूरगामी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरल हो जाएगा।

आईसीएमआर तथा साझेदार संस्थाओं की यह पहल, निस्संदेह, आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव लाएगी। निश्चय ही, प्रत्येक क्षेत्र में नित्य नई क्रांति ला रहे ड्रोन हमारे काम करने के तरीके बदलकर असंभव को संभव बना रहे हैं।

(चिंतन-मनन)

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं- हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

विचार मंथन

वैध सूदखोरी बना फांसी का फंदा, अवैध से ज्यादा खतरनाक वैध

(लेखक-सनत जैन)

कर्ज से कई गुना ब्याज एवं सूदखोरी के कारण भारत में हर साल हजारों की संख्या में आत्महत्या की घटनाएं सामने आ रहे हैं। सरकार ने सूदखोरी से लोगों को बचाने के लिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। बैंकों से गरीबों एवं मध्यम वर्ग को ऋण दिलवाने का काम किया। साहूकारों के चंगुल से आम आदमियों को छुड़ाकर कानूनी बैंकिंग सिस्टम को विकसित किया, ताकि सूदखोरी के असीमित ब्याज और सूदखोरों की दादागिरी से आम लोगों को बचाया जा सके। अब देखने में आ रहा है राष्ट्रीयकृत बैंकों, निजी बैंकों एवं एनएफसी कंपनीयों द्वारा आम लोगों को जो ऋण मुहैया कराया जा रहा है। जिस तरह के नियम और कानून बनाए गए हैं, समय-समय पर जो बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने पुराने सूदखोरों को भी मात कर दिया है। सरकारी बैंकों और निजी बैंकों के अलावा एनएफसी कंपनियों से जो ऋण आम जनता ले रही है। उनसे जिस तरह का ब्याज को मूलधन में जोड़कर चक्रबृद्धि ब्याज वसूला जा रहा है। मूलधन और ब्याज नहीं दिए जाने पर जिस तरह से किसानो और गरीब आदमियों की कुर्की के जरिए ऋण की वसूली की जाती है । 2004 के बाद से बैंकों, सहकारी समितियों, तथा नॉन बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर ऋण दिया जा रहा है। ऋण की समय पर अदाएगी नहीं होने के कारण बैंकों, सहकारी समितियां और एनएफसी कंपनियों द्वारा जिस तरह से मूलधन पर ब्याज, दंड ब्याज, जुर्माना तथा तरह-तरह की शुल्क जोड़कर चक्रबृद्धि ब्याज लगाकर वसूल कर रहे हैं। सरकारी बैंकों का ऋण 4 साल के अंदर 2 गुना से ज्यादा हो जाता है। एनएफसी कंपनी जो ऋण देती हैं उसमें 36 फीसदी तक ब्याज वसूल किया जा रहा है। ऋण की वसूली के लिए बाउंसर लगाए जाते हैं। लोगों के सिर पर कर्ज का बोझ लाद दिया गया है। उनका आय से कई गुना ज्यादा कर्ज आम आदमी ने ले लिया है। जब वह किस्तें नहीं चुका पाते हैं, उनका ऋण कई गुना ज्यादा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में अब जो दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उसमें लोग आत्महत्या करने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से परिवार सहित आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। हजारों किसानों द्वारा हर साल कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार जीरो फ़ीसदी ब्याज पर 6 माह के लिए ऋण देती है। एक दिन भी लेट हो जाने पर शुरू दिन से 14 फ़ीसदी ब्याज, दंड ब्याज, जुर्माना और तरह-तरह के शुल्क लगाकर किसानों के ऊपर कर्ज का बोझ इतना लाद दिया जाता है। जिसे वह नहीं चुका पाता है। उनकी जमीनों को बैंकों द्वारा नीलाम कर दिया जाता है। भोले भाले किसानो की जमीने षडयंत्र पूर्वक बहुत कम कीमत पर नीलम हो जाती हैं। उसके बाद भी उनका कर्ज नहीं उतरता है। कर्ज में फंसे हुए लोग जब बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं का पैसा नहीं चुका पाते हैं। वह सूदखोरों से कर्ज लेकर बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का कर्ज चुकाने का प्रयास करते हैं। जिसके कारण दोहरे कर्ज में फंसकर छोटे-छोटे से बच्चों के बेचने और बंधक रखने के समाचार रोजाना पढ़ने में मिल रहे हैं। कर्ज चुकाने के लिए पत्नियों को गिरवी रखने के समाचार तथा हत्या जैसे समाचार आए दिन समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहे हैं। लोग जरुरत के लिए कम, दिखावे के लिए ज्यादा कर्ज ले रहे हैं। बाजारवाद और भौतिक आवश्यकताएं गरीब से गरीब परिवार के घरों तक तक पहुंच गई हैं। पढ़ाई के लिए शादी के लिए इलाज के लिए खाने पीने के समान के साथ-साथ अब मोबाइल इंटरनेट टीवी फ्रिज मोटरसाइकिल इत्यादि के लिए देखा देखी में कर्ज ज्यादा ले रहे हैं। जिसके कारण और कर्ज नहीं चुका पाते हैं। दबाब के कारण आत्म हत्या कर जीवन समाप्त कर रहें हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कर्ज के संबंध में कई फैसले पहले भी दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला यह भी है कि मूल से ज्यादा ब्याज वसूल नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस पुराने फैसले का पालन बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विपरीत हैं मूलधन से कई गुना ज्यादा ब्याज गरीबों एवं मध्यम वर्ग से वसूल किया जा रहा है। सूदखोरी और साहूकारी से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया था। गरीबों के लिए सरकार योजनाएं बनाकर संचालित करती है। सभी योजनाओं में ब्याज एवं वसूली के लिए जो नियम बनाए गए हैं। वह पुराने सूदखोरों को भी मात करने वाले हैं। जीरो फ़ीसदी पर किसानों को ऋण देने तथा कम ब्याज दर पर ऋण देने के नाम पर गरीबों का शोषण किया जा रहा है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कर्ज वसूली के लिए वित्तीय संस्थानों को विशेष अधिकार दे दिए हैं। कानून के जरिए जिस तरह से ऋण की वसूली की जा रही है। उसने एक बार फिर से सैकड़ो वर्ष पुराने शोषण की याद दिला दी है। रिजर्व बैंक द्वारा संचालित वित्तीय संस्थानों और गुंडागर्दी के बल पर अवैध रूप से सूदखोरी करने वाले में कोई अंतर नहीं रह गया है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा बड़े आदमियों के लिए अलग कानून बनाए जा रहे हैं। गरीब और बेसहारा लोगों के लिए अलग कानून बने हैं। गरीवों का ऋण बेशरम की तरह बढ़ता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में स्थिरता, उपभोक्ताओं को राहत नहीं

नई दिल्ली ।

देश की सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल की कीमत 104.88 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 90.36 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बनी हुई है। पिछले एक दिन से यहां ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बड़ी फेरबदल देखने को नहीं मिली। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर की दर से उपलब्ध हैं। चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए तथा डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपए और डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर तय की गई है। देश के कई हिस्सों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर बनी हुई है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर महंगाई का दबाव बना हुआ है। मार्च 2024 में तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में प्रति लीटर दो-दो रुपए की कटौती की थी, लेकिन उसके बाद से अब तक कीमतों में कोई बड़ी राहत नहीं मिली है। सरकारी तेल कंपनियां रोजाना सुबह पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपडेट करती हैं, जिससे उपभोक्ता हर दिन नवीनतम दरों से अवगत रह सकें। हालांकि, मौजूदा स्थिरता से उम्मीद है कि आने वाले कुछ समय में भी कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

पंजाब में बनेगी 22 उद्योग-विशेष समितियां: संजीव अरोड़ा

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य सरकार नई औद्योगिक नीति तैयार कर रही है, जिसके लिए 22 उद्योग-विशेष समितियां गठित की जाएंगी। इन समितियों में संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक समिति में 8 से 10 सदस्य होंगे और एक चेयरमैन नियुक्त किया जाएगा। अरोड़ा ने बताया कि इन समितियों को सरकार को सुझाव देने और नीतिगत बदलाव सुझाने का अधिकार होगा। समितियों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, और उन्हें 45 दिन के भीतर अपनी पहली रिपोर्ट सौंपनी होगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इन समितियों की सिफारिशों के आधार पर नई नीति का प्रारूप तैयार करेगी। सरकार का उद्देश्य है कि यह नीति उद्योगों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द लागू की जाए।

नायडू ने 2047 तक आंध्र प्रदेश को भारत का शीर्ष राज्य बनाने का खाका किया पेश

अमरावती । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राष्ट्रीय राजधानी में एक आर्थिक विकास योजना का विस्तृत खाका पेश किया। यह रिपोर्ट भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से गठित आर्थिक वृद्धि कार्यबल द्वारा तैयार की गई है। इसका उद्देश्य 2047 तक आंध्र प्रदेश को भारत के अग्रणी और विश्वस्तरीय राज्यों में शामिल करना है। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश 2047 तक भारत का सबसे उत्कृष्ट राज्य बन जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरेगा। इसके लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की विकास यात्रा को नई दिशा देने के लिए यह खाका एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। इस योजना के तहत आंध्र प्रदेश का लक्ष्य 2047 तक 2400 अरब अमेरिकी डॉलर का सकल राज्य घरेलू उत्पाद हासिल करना है। इसके अलावा, राज्य 450 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को भी प्राप्त करना चाहता है। इसके साथ ही अन्य कई महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल कर आर्थिक समृद्धि और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा। आंध्र प्रदेश की यह आर्थिक रूपरेखा राज्य की आर्थिक विविधता, उद्योगों के विकास, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, तकनीकी नवाचार और निवेश को बढ़ावा देने पर आधारित है। इस योजना से राज्य के कृषि, उद्योग, सेवा क्षेत्र, और निर्यात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद है।

रिजर्व बैंक घटाएगा ब्याज की दरें

घर, कार और वाहनों की बिक्री घटी, सस्ती लोन से बढ़ेगी मांग?

मुंबई ।

रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया की अगस्त माह में बैठक होने वाली है। इस बैठक में ब्याज की दरों को घटाने के बारे में निर्णय लेने की बात की जा रही है। जून माह की बैठक में रेपो रेट 0.5 फ़ीसदी घटकर 5.50 फीसदी किया गया था। अभी तक इसमें एक फ़ीसदी की कटौती हो चुकी है।

रिजर्व बैंक का मानना है कि 2025-26 में रिटेल महंगाई 2.1 फ़ीसदी पर आ गई है। जुलाई अगस्त माह में महंगाई दर 1 फ़ीसदी पर आ सकती है। 1 अप्रैल 2025-26 के बाद जिस तेजी के साथ महंगाई दर घट रही है। वह 1990 के बाद 2025 की प्रथम तिमाही में कम हुई है।

जून माह में कारों की बिक्री 16 महीने के निचले स्तर पर आ गई है। बड़े शहरों में घरों की बिक्री 20 फ़ीसदी तक घट गई है। जून माह में रत्न और आभूषणों में 7 फ़ीसदी की गिरावट निर्यात मे आई है। आयात भी भारत का लगभग 7 फ़ीसदी घटा है। मांग को बढ़ाने के

लिए रिजर्व बैंक, ब्याज दरों में अगस्त माह में और भी कटौती कर सकता है। इस बात की संभावना रिजर्व बैंक के सूत्रों द्वारा जताई जा रही है। आर्थिक विशेषज्ञ भी यह मानकर चल रहे हैं। रिजर्व बैंक जल्द ही ब्याज की दरों को घटा सकता है। ताकि बाजार की मांग को बढ़ाया जा सके। कम ब्याज होने से लोगों की ईएमआई भी कम होगी। आम उपभोक्ता को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध होगा।

डीएलएफ की अंधेरी में 900 करोड़ की लग्जरी आवास परियोजना शुरू

- वेस्टपार्क परियोजना में कुल 416 लग्जरी अपार्टमेंट्स होंगे

मुंबई । देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में एक बार फिर कदम रख दिया है। कंपनी ने अंधेरी (पश्चिम) में एक लग्जरी आवासीय परियोजना वेस्टपार्क की शुरुआत की है, जिसमें वह लगभग 900 करोड़ का निवेश कर रही है। डीएलएफ ने इस परियोजना को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बिल्डर ट्राइडेंट समूह के साथ साझेदारी में विकसित किया है। यह कदम कंपनी की मुंबई बाजार में जुलाई 2023 में की गई पुनःप्रवेश घोषणा का हिस्सा है। डीएलएफ होम डेवलपर्स के एक अे धिकारी के अनुसार, वेस्टपार्क परियोजना में कुल 416 लग्जरी अपार्टमेंट्स होंगे। यह परियोजना 5.18 एकड़ में फैली हुई है और यहां फ्लैट्स की कीमत 4 करोड़ से 7.5 करोड़ के बीच रखी गई है। इनकी कीमत 42,000 से 47,000 रुपए प्रति वर्ग फुट होगी। उन्होंने बताया कि परियोजना की कुल बिक्री से 2,300 करोड़ की आय की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की शुरुआती प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है और कंपनी पहले चरण में लगभग 200 यूनिट्स बेचने की योजना बना रही है। डीएलएफ अब तक 185 से अधिक रियल एस्टेट परियोजनाएं पूरी कर चुका है और 35.2 करोड़ वर्ग फुट से ज्यादा क्षेत्र विकसित कर चुका है। इस नई परियोजना के साथ कंपनी ने मुंबई के प्रतिस्पर्धी बाजार में मजबूती से वापसी की है।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में गिरावट

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 375.24 अंक के साथ 82,259.24 और निफ्टी 100.60 अंक के साथ 25,111.45 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 101.55 अंक की गिरावट के साथ 59,519.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 22.75 अंक की कमजोरी के साथ 19,117.30 पर था।

सेक्टर के आधार के अनुसार ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मीडिया, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा हरे निशान में बंद हुए। जबकि फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी और एनर्जी लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, ट्रेंट, टाइटन, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा खूब चढ़े थे।

टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक, इटरनल (जोमैटो), एलएंडटी, टीसीएस, एक्सिस बैंक और बजाज फिनसर्व गुरुवार को शेयर बाजार में कमजोर साबित हुए थे।बाजार जानकार ने बताया कि भारतीय शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए क्योंकि निवेशकों ने पहली तिमाही के नतीजों विशेष रूप से टेक्नोलॉजी और बैंकिंग क्षेत्रों में सुस्त घोषणाओं के बीच सतर्कता बरती है। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के कारण लार्ज-कैप शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और एफआईआई के आउटफ्लो के कारण बाजार प्रतिभागी अलग-थलग रहे।

उन्होंने कहा कि मंदी रुझान के बावजूद मजबूत घरेलू तरलता और रियल्टी व उपभोग आधारित शेयरों में चुनिंदा खरीदारी ने गिरावट को सीमित रखने में मदद की, जिससे व्यापक बाजार सीमित दायरे में रहा। घरेलू मैक्रो फंडामेंटल, जैसे जीडीपी वृद्धि और स्थिर मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति, मध्यम से लंबी अवधि में सहायक बने हुए हैं। भारतीय शेयर बाजार कारोबारी सत्र में सपाट खुला था। शुरुआती कारोबार में सुबह 9:39 पर सेंसेक्स 60 अंक या 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,574 और निफ्टी 21 अंक या 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,191 पर था।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स को 2,293 करोड़ के नए ठेके मिले

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) ने अपनी अंतरराष्ट्रीय अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर लगभग 2,293 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल किए हैं। ये ठेके भारत में भवन व कारखाना खंड (बीएंडएफ)और विदेशी बाजारों में विद्युत पारेषण एवं वितरण परियोजनाओं से संबंधित हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि इन ठेकों से कंपनी की बीएंडएफ ऑर्डर बुक मजबूत हुई है और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल ऑर्डर का आकार 9,443 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह वृद्धि कंपनी के भविष्य के विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाएं चला रही है और 75 देशों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। कंपनी ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण) क्षेत्र में अग्रणी है और लगातार अपनी बाजार स्थिति को सुदृढ़ कर रही है।

भारत में रिकॉर्ड बिक्री से बीएमडब्ल्यू को मिली राहत

नई दिल्ली ।

भारत से सहित दुनिया भर में साल 2025 की पहली छमाही में बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं एशिया में खासकर चीन में उसे बड़ा झटका लगा है। कंपनी की चीन में बिक्री पहली छमाही में 15.5 प्रतिशत तक गिर गई, जबकि दूसरी तिमाही में 13.7प्रतिशत की कमी आई। पूरे एशियाई क्षेत्र में पहली छमाही में बिक्री 11.1प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 10.1प्रतिशत घटी। इसका कारण चीन की घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा, बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताएं और आर्थिक अनिश्चितता है। इस संकट ने बीएमडब्ल्यू को अपनी रणनीति पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। हालांकि, भारत बीएमडब्ल्यू के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। 2025 की पहली छमाही में बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया। कार सेगमेंट में कंपनी ने 7,098 यूनिट्स बेचकर 21प्रतिशत की बढ़त हासिल की, जबकि मोटरसाइकिल सेगमेंट में 4,167 यूनिट्स की बिक्री के साथ 33प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई। भारत में कंपनी के स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल्स और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है, जिससे भारत बीएमडब्ल्यू की एशिया-पैसिफिक रणनीति में अहम स्थान पाने लगा है। वैश्विक स्तर पर भी बीएमडब्ल्यू ने इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में मजबूत प्रगति की है। 2025 की पहली छमाही में उसकी ईवी बिक्री 15.7प्रतिशत बढ़ी और ईवी व प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों की संयुक्त बिक्री में 18.5प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी की 'नेयू क्लासे' नामक नई इलेक्ट्रिक वाहन रेंज इसी साल लॉन्च होने वाली है, जिससे चीन जैसे चुनौतीपूर्ण बाजार में फिर से पैर जमाने की उम्मीद है। ग्रुप स्तर पर बीएमडब्ल्यू एम, मिनी और रोल्स-रॉयस जैसे ब्रांड्स ने भी मजबूती दिखाई है।

एनटीपीसी के सीएमडी का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। वे मूल रूप से 31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन अब उनका कार्यकाल 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2026 तक बढ़ा दिया गया है। यह निर्णय विद्युत मंत्रालय के प्रस्ताव पर मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की मंजूरी के बाद लिया गया है। एनटीपीसी देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी है और यह विद्युत मंत्रालय के अधीन काम करती है। कंपनी के शीर्ष पद पर नेतृत्व की निरंतरता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। इस बढ़ोतरी के साथ गुरदीप सिंह एक और वर्ष तक कंपनी का नेतृत्व करेंगे। वहीं, सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने इस पद के लिए 12 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया था, जिनमें से कई उम्मीदवार एनटीपीसी और अन्य सरकारी कंपनियों के निदेशक मंडल में शामिल थे। हालांकि पीईएसबी ने किसी भी उम्मीदवार को सीएमडी के पद के लिए उपयुक्त नहीं पाया। इस कारण से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के शीर्ष पद के लिए सही उम्मीदवार खोजने में अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं।

टेस्ला के आने से घरेलू ईवी कंपनियों पर फिलहाल नहीं पड़ेगा बड़ा असर

- कंपनी भारत में नहीं बनाएगी कार

नई दिल्ली ।

टेस्ला ने भारत में अपनी मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी वाई मॉडल लॉन्च कर दिया है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 60 लाख रुपये है। यह वाहन भारत में निर्मित नहीं होगी, बल्कि टेस्ला अपने शंघाई प्लांट से पूरी तरह निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में इसे आयात करेगी। भारत में आयातित इलेक्ट्रिक वाहनों पर 70 से 100 प्रतिशत तक टैक्स लगता है, जो कार की कीमत को और बढ़ा देता है। इस कारण टेस्ला की कीमत घरेलू कंपनियों के मुकाबले काफी अधिक है। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टाटा मोटर्स की हैरियर ईवी और महिंद्रा की एक्सईवी 9ई जैसे मॉडल 21 से 31 लाख रुपये की कीमत रेंज में उपलब्ध हैं, जो टेस्ला के मुकाबले किफायती विकल्प हैं। इसी वजह से विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल टेस्ला की एंट्री से घरेलू ईवी निर्माताओं की बाजार हिस्सेदारी पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा। वैश्विक स्तर पर टेस्ला की जून तिमाही में बिक्री में 13.5 फीसदी की गिरावट आई है और इसलिए भारत में प्रवेश टेस्ला के लिए रणनीतिक कदम माना जा रहा है। हालांकि, भारतीय बाजार में टेस्ला फिलहाल बीवायडी, ह्यूंडई, किआ जैसे ब्रांडों से 45-60 लाख रुपये की कीमत रेंज में मुकाबला करेगी। इस प्रकार, टेस्ला

की एंट्री से घरेलू ईवी कंपनियों को फिलहाल कोई खतरा नहीं दिखता, बल्कि यह बाजार को और प्रतिस्पर्धात्मक और उन्नत बनाने में मदद करेगी।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और बॉश के बीच सेमीकंडक्टर निर्माण में रणनीतिक साझेदारी

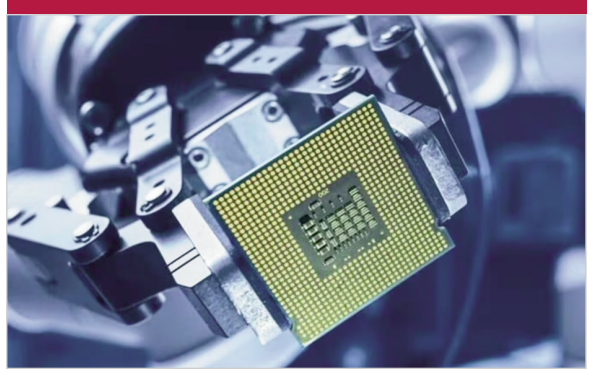

दोनों कंपनियां मिलकर करेंगी काम

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने जर्मनी की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी रॉबर्ट बॉश जीएमबीएच के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। दोनों कंपनियां मिलकर असम और गुजरात में सेमीकंडक्टर निर्माण व चिप पैकेजिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना करेंगी। समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, असम में प्रस्तावित असेंबली और परीक्षण इकाई तथा गुजरात में स्थापित होने वाली फाउंड्री (चिप निर्माण इकाई) में दोनों कंपनियां मिलकर काम करेंगी। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में एक समग्र और आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करना है, जो वैश्विक बाजार की जरूरतों को पूरा कर सके। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि यह सहयोग भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर विनिर्माण मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह भागीदारी वैश्विक ग्राहकों के लिए प्रतिस्पर्धी समाधान प्रदान करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक की बढ़ती मांग को देखते हुए यह साझेदारी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और लचीला बनाएगी। उन्होंने इसे भारत में तकनीकी क्षमता के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।

टीसीएस की नई बेंच पॉलिसी पर बवाल

एनआईटीईएस ने श्रम मंत्रालय से की शिकायत

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की नई बेंच पॉलिसी को लेकर विवाद हो गया है। नेसेंट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने इस नीति को शोषणकारी और अमानवीय बताते हुए श्रम और रोजगार मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। टीसीएस ने हाल ही में एक नई बेंच पॉलिसी लागू की है, जिसके तहत कर्मचारी अधिकतम 35 दिनों तक बिना प्रोजेक्ट के रह सकते हैं। इसके बाद उनके करियर में गिरावट या नौकरी जाने का खतरा बना रहता है। कंपनी का कहना है कि कर्मचारियों को साल में कम से कम 225 दिन प्रोजेक्ट पर कार्य करना जरूरी है, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। एनआईटीईएस के अध्यक्ष का कहना है कि यह नीति कर्मचारियों पर मानसिक दबाव डालती है और उन्हें संस्थागत रूप से डर के माहौल में धकेलती है। उन्होंने कहा कि ये कर्मचारी नॉन-परफॉर्मर नहीं, बल्कि कुशल पेशेवर हैं, जो अस्थायी रूप से बिना प्रोजेक्ट के होते हैं। प्रोजेक्ट न मिलने की स्थिति कई बार बिजनेस प्राथमिकताओं या आंतरिक प्रक्रियाओं की विफलता का परिणाम होती है, जिसकी जिम्मेदारी कंपनी की होनी चाहिए, कर्मचारियों की नहीं। एनआईटीईएस का आरोप है कि यह पॉलिसी कर्मचारियों को लगातार निगरानी और दबाव में रखती है, जिससे वे खुद को केवल एक बोझ की तरह महसूस करने लगते हैं। यूनियन ने मंत्रालय से हस्तक्षेप कर इस नीति की जांच और सुधार की मांग की है।

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज का शेयर 15 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 407 रुपये से 15.23 प्रतिशत बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर यह शेयर 436.10 रुपये पर खुला और बाद में 469 रुपये तक पहुंच गया। एनएसई पर भी शेयर ने 6.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 435 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का सुबह के कारोबार में बाजार मूल्यांकन 5,241.48 करोड़ रुपये रहा। स्मार्टवर्क्स का 583 करोड़ रुपये का आईपीओ पिछले सोमवार को 13.45 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के लिए 387 से 407 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। यह कंपनी प्रमुख सह-कार्यस्थल प्रदाता है और बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद, गुरुग्राम, चेन्नई जैसे बड़े शहरों में सेवाएं प्रदान करती है। शेयर की अच्छी बढ़त ने निवेशकों

का भरोसा दिखाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दीप्ति ने पहले वनडे में भारत को दिलाई जीत, इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट से जीता मैच

साउथम्पटन (एजेंसी)। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपने बल्लेबाजी कौशल और धैर्य का शानदार परिचय देते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा जिससे भारत ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट से जीत दर्ज की।

दीप्ति ने 64 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 62 रन बनाए जिससे भारत ने 259 रन का लक्ष्य 10 गेंद शेष रहते हुए हासिल कर दिया। इस तरह से भारत ने वनडे विश्व कप के लिए अपनी तैयारी की अच्छी शुरुआत भी की। दीप्ति ने अपनी पारी के दौरान जेमिमा रोड्रिग्स (54 गेंदों पर 48 रन) के साथ 14.2 ओवर में पांचवें विकेट के लिए 90 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। अंतिम ओवरों में ऑलराउंडर अमनजोत कौर (14 गेंदों पर 20 रन) ने भी अहम योगदान दिया।

भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल (36), उप कप्तान स्मृति मंधाना (28), हरलीन देओल (27) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाई जिससे भारत का स्कोर एक समय चार विकेट पर 124 रन हो गया था। इसके बाद

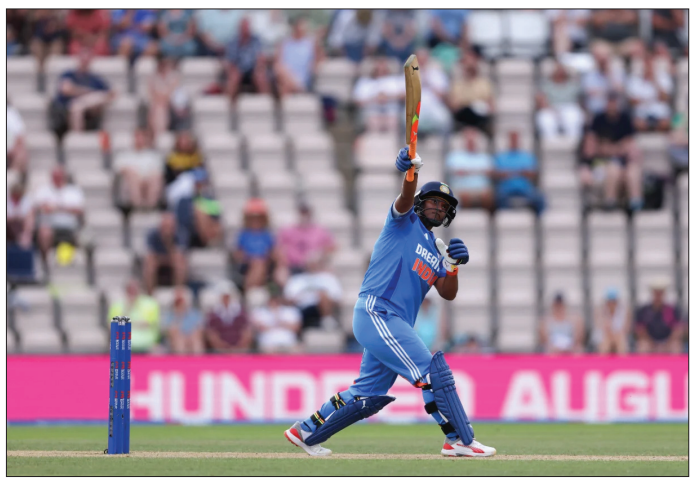

दीप्ति और रोड्रिग्स ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत दीप्ति के प्रदर्शन से काफी खुश थीं और उन्होंने रोड्रिग्स की भी तारीफ की जो दो रन से अर्धशतक से चूक गईं। उन्होंने कहा, 'हमने जिस तरह की गेंदबाजी की, उससे मैं खुश हूं। हमने जिस तरह की बल्लेबाजी की, उससे भी बहुत खुश हूं, खासकर दीप्ति से। उसकी पारी अहम थी। हमें लगा कि हमने 20-30 रन ज़्यादा दे दिए। यह बल्लेबाज़ी के लिए अच्छा विकेट था। हम फ़ील्डिंग पर काम कर रहे हैं, हमने आज दो मौके गंवाए। हम बेहतर करने की कोशिश करेंगे। जेमी और दीप्ति ने जिस तरह से धैर्य पूर्ण बल्लेबाजी की उसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है।'

इससे पहले भारत की युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने दो विकेट झटककर प्रभावित किया लेकिन सोफिया डंकले की 92 गेंद में नाबाद 83 रन की पारी की मदद से इंग्लैंड ने छह विकेट पर 258 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। गौड़ (नौ ओवर में 55 रन देकर दो विकेट) और ऑफ स्पिनर स्नेह राणा (10 ओवर में 31 रन देकर दो विकेट) ने दो दो विकेट झटके। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद उसने 97 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन एलिस डेविडसन रिचर्ड्स ने 73 गेंद में 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और डंकले के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 106 रन की भागीदारी निभाई। डंकले ने अपनी पारी में नौ चौके लगाए।

'मैंने यह ऋषभ पंत से सीखा है', दीप्ति शर्मा ने एक हाथ से लगाए छक्के का श्रेय पंत को दिया

साउथेम्प्टन (यूके)। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ पहले वनडे में अपनी शानदार पारी पर बात की, जहां वह जेमिमा के साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रही थीं और ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थीं। दीप्ति शर्मा के शानदार अर्धशतक और ऑलराउंडर स्नेह राणा के शानदार स्पेल ने गुरुवार को साउथेम्प्टन में तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में इंग्लैंड पर चार विकेट से जीत हासिल करने में भारत की अहम भूमिका निभाई। भारतीय महिला टीम ने अब अपने पिछले 12 वनडे में से 11 जीते हैं, और यह सिलसिला दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हुआ था। दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद कहा, 'मैं ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थी। मैं जेमिमा के साथ साझेदारी बनाना चाहती थी, लगातार 5-6 रन प्रति ओवर बनाना चाहती थी। (उनके स्वीप शॉट्स पर) मैंने शुरुआती दिनों में इस पर काफी काम किया है, और इस तरह की पिच पर इससे मदद मिलती है। (एक हाथ से छक्का लगाने पर) मैं ये शॉट अभ्यास में खेलती हूं, मैंने ये ऋषभ पंत से सीखा है। हम पहले भी इंग्लैंड में खेल चुके हैं, हमें इन परिस्थितियों में मजा आता है।' दीप्ति शर्मा इस मैच में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं और उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। दीप्ति के नाबाद 62 रन भारतीय महिला टीम के लिए वनडे में छठे या उससे नीचे के क्रम पर रनों का पीछा करते हुए बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ वेदा कृष्णमूर्ति के 52* रन (विजयवाड़ा, 2016) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

बांग्लादेशी स्पिनर महेदी हसन की शानदार गेंदबाजी, हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। स्पिनर महेदी हसन ने बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच निर्णायक टी20आई मैच में 4-1-11-4 के औसत से शुरुआत की जिससे टाइगर्स ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में मैच और सीरीज दोनों जीतते हुए इतिहास रच दिया। एक छोर से गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए महेदी ने हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। महेदी ने पावरप्ले में दो ओवर फेंकते हुए किफायती चार विकेट लिए जिससे उन्होंने श्रीलंका के शीर्ष 5 बल्लेबाजों में से चार को आउट कर दिया, जिससे श्रीलंकाई टीम कोलंबो में निर्णायक मैच में सिर्फ 132/7 पर सिमट गई।

महेदी ने अपने शानदार स्पेल के जरिए आर प्रेमदासा स्टेडियम में टी20आई मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेहमान गेंदबाज होने का हरभजन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरभजन ने 2012 के टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया था और केवल 12 रन देकर 4 विकेट लिए थे जबकि महेदी ने 4 विकेट के लिए 11 रन दिए।

किसी गेंदबाज के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड इस भारतीय स्पिनर के नाम था, लेकिन 2021 की सीरीज में वानिंदु हसरंगा ने 4-9 के उल्लेखनीय आंकड़े के साथ भारतीय के रिकॉर्ड को तहस-नहस कर दिया। जोश हेजलवुड (4-16) और महेदी के हमवतन मुस्तफिजुर रहमान (4-21) जैसे खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में मेहमान खिलाड़ियों के रूप में हरभजन के रिकॉर्ड को चुनौती दी है, लेकिन बांग्लादेशी स्पिनर ने इसे तोड़ा।

महेदी ने तीसरे नंबर पर आए कुसल परेरा के विकेट के साथ शुरुआत की जो पारी के दूसरे ओवर में गोल्डन डक पर आउट हो गए। स्पिनर ने पावरप्ले के पांचवें ओवर में दिनेश चांदीमल का विकेट लिया, इसके बाद श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका का भी विकेट लिया और उस समय 46 रन पर खेल रहे सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका की गेंद पर कैच एंड बोल्ड आउट हुए।

जडेजा इंग्लैंड में 1000 रन बनाने के करीब पहुंचे

लंदन। भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक और कीर्तिमान के करीब पहुंच गए हैं। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए, हालांकि भारत यह मुकाबला 22 रन से हार गया। यह जडेजा का इंग्लैंड में लगातार चौथा अर्धशतक था, जिसमें बर्मिंघम और लॉर्ड्स दोनों में जुड़वां फिफ्टी शामिल हैं। इस तरह वे सौरव गांगुली और ऋषभ पंत के क्लब में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड में लगातार चार बार 50+ स्कोर बनाए थे। लॉर्ड्स टेस्ट की चौथी पारी में यह जडेजा का पहला अर्धशतक रहा। इंग्लैंड में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने अब तक 942 रन बना लिए हैं, जिससे वह वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर गैरी सोबर्स (1097 रन) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। इस दौरान जडेजा ने एक शतक और सात अर्धशतक लगाए हैं। भारत की दूसरी पारी में सातवां विकेट गिरने के बाद टीम ने 301 गेंदें खेलीं, जो टेस्ट की चौथी पारी में अंतिम तीन साझेदारियों में सबसे अधिक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 294 गेंदों का था, जो इंग्लैंड ने 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ बनाया था। जडेजा और जसप्रीत बुमराह ने 22 ओवर तक साझेदारी निभाई, जो पिछले दस वर्षों में भारत के लिए 9वें या 10वें विकेट के लिए सबसे लंबी साझेदारी रही।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगे आंद्रे रसेल

किंग्स्टन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल 22 जुलाई को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद अपने 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगे। रसेल की सबसे बड़ी उपलब्धि 2012 और 2016 में टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम का सदस्य होना है। वह 2019 से केवल टी20 प्रारूप में ही खेल रहे हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज का 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय, 56 वनडे और एक टेस्ट मैच में प्रतिनिधित्व किया है।

जमैका के इस 37 वर्षीय खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया था, लेकिन वह अपने अंतिम दो अंतरराष्ट्रीय मैच 20 और 22 जुलाई को अपने घरेलू मैदान सबीना पार्क में खेलेंगे। रसेल ने भारत और श्रीलंका में 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप से सिर्फ सात महीने पहले अपने फैसले की घोषणा की।

रसेल ने क्रिकेट वेस्टइंडीज द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन की सबसे गौरवपूर्ण उपलब्धियों में से एक है।% इस आक्रामक ऑलराउंडर ने 84 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 61 विकेट लिए हैं और 1078 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के 30 साल की उम्र से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने की घोषणा के एक महीने बाद वह संन्यास ले रहे हैं।

चौथे टेस्ट से कटेगा करुण नायर का पत्ता! इस युवा बल्लेबाज को मिल सकता है मौका

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। वहीं पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती तीन मैचों में भारत के ज्यादातर बल्लेबाजों ने बड़े रन बटोरे हैं लेकिन करुण नायर को दूसरा मौका दिया फिर भी वह उसे भूना नहीं पाए। चौथे टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन तय होने पर सिर्फ उन्हीं का नाम हट सकता है। आठ साल बाद टीम इंडिया के लिए वापसी कर रहे करुण नायर ने अपनी 6 पारियों में से ज्यादातर में अच्छी शुरुआत की लेकिन वह उसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए।

वहीं पूर्व भारतीय विकेटकीपर दीप दासगुप्ता का कहना है कि सुदर्शन को वापस लाने का समय आ गया है। लॉर्ड्स में दूसरी पारी में वह ब्रायडन कार्स की अंदर आती गेंद की लाइन एंव लेंथ का

सही अनुमान नहीं लगा पाए और आउट हो गए। तीसरे नंबर पर भारत को नायर से मजबूती दिलाने की उम्मीद थी क्योंकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का पहाड़ खड़ा करने के बाद राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। भारत पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे है और अगला मैच अभी एक हफ्ते दूर हे, ऐसे में प्रबंधन को फैसला लेना होगा कि नायर के साथ बने रहें या फिर युवा साई सुदर्शन को मौका दिया जाए। जिन्हें अपने पहले मैच के बाद अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। बाहर किए गए बाएं हाथ के इस बेहतरीन बल्लेबाज कोई बड़ी गलती नहीं की और ऐसा आठवें नंबर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प को शामिल करने के लिए किया गया।

दासगुप्ता ने पीटीआई से कहा कि, आप अब भी सीरीज में बने हुए हैं क्योंकि लॉर्ड्स टेस्ट मैच भी बेहद करीबी था। नतीजा किसी भी तरफ जा सकता था। उन्होंने कहा कि, लेकिन मैं तीसरे नंबर पर देख रहा हूं। क्या करुण नायर अब भी खेलते रहेंगे या आप साई सुदर्शन जैसे युवा खिलाड़ी को खिलाना चाहेंगे। जो पहले टेस्ट मैच की आखिरी पारी में सहज दिखे थे?

कैफ का चौकाने वाला दावा : इंग्लैंड ने बुमराह को चोटिल करने की रची थी साजिश

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने लॉर्ड्स टेस्ट को लेकर एक चौंकाने वाला दावा किया है। उनके अनुसार, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने जानबूझकर जसप्रीत बुमराह को चोटिल करने की साजिश रची थी। लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए इस मैच की आखिरी पारी में जसप्रीत बुमराह ने बेहद साहसिक बल्लेबाजी की

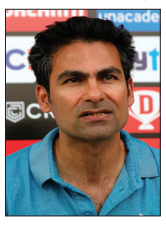

थी और रविंद्र जडेजा के साथ मिलकर इंग्लैंड की जीत की उम्मीदों को झटका देना शुरू कर दिया था। भारत को 193 रनों का लक्ष्य मिला था और आखिरी विकेट के लिए बुमराह-जडेजा की जोड़ी डटकर खेल रही थी, तभी इंग्लैंड ने आक्रामक रणनीति अपनाई। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि जैसे-जैसे भारतीय जोड़ी लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी, इंग्लैंड खेमे में घबराहट बढ़ती जा रही थी। इसी दबाव में स्टोक्स और आर्चर ने बुमराह पर बाउंसर फेंकने की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अगर बुमराह आउट नहीं होते, तो उनका इरादा उन्हें चोटिल करने का था। कैफ के मुताबिक, गेंदबाजों के दिमाग में अकसर यह बात रहती है कि विरोधी टीम के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी को किसी तरह चोट पहुंचाकर बाहर किया जाए। यही सोच इंग्लैंड के गेंदबाजों की भी थी, जो अंत में सफल रही और बुमराह का विकेट गिर गया। इस साझेदारी के दौरान बुमराह ने 54 गेंदों का सामना किया और केवल 5 रन बनाए, लेकिन उनका विकेट इंग्लैंड के लिए सबसे अहम साबित हुआ। भारत यह मैच 22 रनों से हार गया और सीरीज में इंग्लैंड ने 2-1 की बढ़त बना ली। कैफ ने यह भी बताया कि इंग्लैंड ने मोहम्मद सिराज को भी निशाना बनाने की कोशिश की थी और एक बार तो उनके कंधे पर गेंद लगी थी।

प्रो लीग में खराब प्रदर्शन भारतीय टीम के लिए एक चेतावनी: श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व महान हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश का मानना है कि एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का खराब प्रदर्शन अगस्त में होने वाले एशिया कप से पहले एक चेतावनी है।

श्रीजेश ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए, हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि परिणाम हमारे खिलाफ जाता है। यह परिणाम एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले हमारे लिए एक चेतावनी है।'

भारत एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रहा था। एशिया कप 2025 राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा। एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक आयोजित होंगे। श्रीजेश ने इस बात पर खुशी जताई कि अधिक से अधिक लोग स्वस्थ रहने के लिए दौड़ को अपना रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'प्रत्येक वर्ष अधिक लोग इसमें शामिल हो रहे हैं और दौड़ना (दिल्ली हाफ मैराथन में) और भी लोकप्रिय होता जा रहा है, यह रोमांचक है, लोगों को स्वयं को चुनौती देनी चाहिए और लय में आना चाहिए।' भारत की पुरुष राष्ट्रीय अंडर-21 टीम के मुख्य कोच ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका मुख्य काम यह

सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी दबाव से निपटना सीखें। उन्होंने कहा, 'एक कोच के रूप में मेरा काम खिलाड़ियों पर से दबाव कम करना है। मैं उन्हें बताता हूँ कि जूनियर विश्वकप के दौरान लगभग 10 हजार लोग आपका उत्साहवर्धन करेंगे और चिल्लायेंगे, इन बातों को स्वीकार करें। एक कोच होने के नाते खिलाड़ियों के साथ अपने खेल के अनुभव को साझा करना बहुत महत्वपूर्ण है।' पुरुष एफआईएच हॉकी जूनियर विश्वकप 2025 चेन्नई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज-पाकिस्तान मैच फॉर्मेट को लेकर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच अगस्त में प्रस्तावित क्रिकेट सीरीज को लेकर दोनों देशों के बोर्डों में असहमति का माहौल बन गया है। 1 से 12 अगस्त तक अमेरिका और कैरेबियाई द्वीपों में दोनों टीमों को तीन-तीन टी20 और वनडे मैच खेलने हैं, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि यह पूरी सीरीज केवल टी20 प्रारूप में खेली जाए। इसके विपरीत वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस मांग को स्वीकार नहीं कर रहा और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी मैच कराने पर अड़ा है। पाकिस्तान का तर्क है कि अगले साल भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होना है, ऐसे में टीम को ज्यादा से ज्यादा टी20 मैच खेलने चाहिए ताकि तैयारी पुख्ता की जा सके। इसी कारण पीसीबी वनडे सीरीज को भी टी20 सीरीज में बदलने का आग्रह कर रहा है। लेकिन वेस्टइंडीज की स्थिति अलग है। पिछली बार जब भारत में वनडे विश्व कप खेला गया था, तो वेस्टइंडीज की टीम उसमें जगह नहीं बना पाई थी। इसी वजह से वह 50 ओवर के मुकाबलों को लेकर गंभीर है और इस फॉर्मेट में ज्यादा मैच खेलना चाहता है। इस विवाद पर वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेहरिंग ने कहा कि फिलहाल शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पीसीबी से बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान सिंगापुर में और चर्चा होगी। वेस्टइंडीज बोर्ड इस बात को लेकर आश्वस्त है कि त्रिनिदाद में खेले जाने वाले मैच वनडे ही होंगे और किसी बदलाव की संभावना कम है। मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, 1, 2 और 4 अगस्त को अमेरिका के फ्लोरिडा में तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 8, 10 और 12 अगस्त को त्रिनिदाद के तारोबा में तीन वनडे मैच होंगे। दोनों बोर्डों के बीच इस फॉर्मेट विवाद का हल सिंगापुर में होने वाली बातचीत के बाद ही निकलने की उम्मीद है। अगर सहमति नहीं बनती, तो सीरीज के आयोजन पर भी असर पड़ सकता है।

ऋषभ पंत को तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है : जैक रसेले

लंदन। लंदन के एक पॉश इलाके में पेंटिंग बनाने में व्यस्त इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज जैक रसेल का मानना है कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं लेकिन उन्हें विकेटकीपिंग की कुछ तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है। रसेल को क्रिकेट जगत की खबरों पर नजर रखना पसंद है। अगर वह मैदान पर नहीं होते तो वह लाइव स्कोर देखते हैं। वह रोज पेंटिंग करते है, फिर भी उन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के लिए लॉर्ड्स जाने का समय निकाला। खुद एक विकेटकीपर होने के नाते उनके पास जैमी स्मिथ और पंत जैसे खिलाड़ियों के लिए एक सलाह भी है। उन्होंने कहा, 'कई अच्छे विकेटकीपर रहे हैं। मैं कहूंगा कि मेरे समय में एलन नॉट और बॉब टेलर मेरे दो नायक थे।' रसेल ने कहा, 'लेकिन मुझे सैयद किरमानी को देखना पसंद था। जब मैं छोटा था, तब मैं उन्हें बहुत देखता था। मुझे लगता था कि वह एक अच्छे विकेटकीपर हैं।' मौजूदा विकेटकीपरों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पंत की बात करूं तो आपको उन्हें खेलते हुए देखना पंसद आएगा ही। वह चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों, या विकेटकीपिंग, आपको उन्हें देखना अच्छा लगेगा। इसलिए वह एक मनोरंजक खिलाड़ी हैं।' उन्होंने कहा, 'और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि वह कार दुर्घटना के बाद भी क्रिकेट भी खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ी जैमी स्मिथ इंग्लैंड के सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज और विकेटकीपर बनेंगे क्योंकि उनमें बहुत हुनर है। आप उसे गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रख सकते हैं।' पंत की विकेटकीपिंग में किसी कमी के बारे में पूछने पर रसेल ने कहा, 'वह गलतियां करेगा क्योंकि तकनीकी रूप से कुछ चीजें हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है। लेकिन वह शानदार प्रदर्शन करेगा और गलतियां भी करेगा। ज्यादातर विकेटकीपर गलतियां करते हैं। इंग्लैंड में विकेट लेना काफी मुश्किल है। इसलिए वह यहां परफेक्ट नहीं होगा, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बहुत मजबूत है।' रसेल ने कहा, 'पर उसे विकेटकीपिंग में कुछ काम करने की जरूरत है, स्टंप तक खड़े होने में बस थोड़े-बहुत बदलाव करने होंगे। अगर वह मुझसे पूछेगा तो मैं उसे बता दूंगा। लेकिन ये छोटी चीजें हैं।'

'जब वह खेलते हैं तो टीम ज्यादा हारती है', चौथे टेस्ट से पहले पूर्व इंग्लैंड स्टार का बुमराह पर बड़ा बयान

लंदन (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह का कार्यभार टीम के लिए सिरदर्द बना हुआ है क्योंकि यह तेज गेंदबाज इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों में से एक से बाहर हो सकते हैं। वहीं इस चर्चा के बीच इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड का मानना है कि जब बुमराह प्लेइंग 11 का हिस्सा होते हैं तो भारत ज़्यादा मैच हारता है। इंग्लैंड लॉर्ड्स में करीबी जीत के बाद पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है।

इंग्लैंड दौरे की शुरुआत से पहले भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की थी कि बुमराह इंग्लैंड में 5 में से दो मैचों में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि प्रबंधन और खिलाड़ी खुद जोखिम लेने के मूड में नहीं हैं। अब तक बुमराह ने तीन में से दो मैच खेले हैं, जिनमें से भारत हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में खेले गए दोनों मुकाबलों में हार गया। उनकी अनुपस्थिति में आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को एजबेस्टन में इंग्लैंड को हराने में मदद की।

पिछले हफ़्ते लॉर्ड्स में इंग्लैंड के हाथों भारत की 22 रनों से हार के बाद ऐसी खबरें आ रही थीं कि बुमराह को 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले मैच के लिए आराम दिया जा सकता है। हालांकि एक रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह के मैनचेस्टर में खेलने की संभावना है, क्योंकि भारत ओवल में होने वाले अंतिम मैच से पहले सीरीज बराबर करने के लिए बेताब है।

लॉयड ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट को बताया, 'उन्होंने यही कहा है और कोच गौतम गंभीर ने भी यही कहा है कि वह 5 में से तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। इसलिए उनके पास एक विकल्प है। अभी दो मैच बाकी हैं। वह दो मैच खेल चुके हैं। अगर वे अपनी बात पर खरे उतरते हैं, तो उन्हें ओल्ड ट्रैफर्ड में अगला मैच खेलना चाहिए। लेकिन फिर आप जानते हैं, वे इसे बदल सकते हैं, है ना? अगर वह ओल्ड ट्रैफर्ड में अगला मैच खेलते हैं और वे 2-2 से बराबरी कर लेते हैं, तो आप सोचेंगे कि वह ओवल में भी खेलेंगे। मैं अभी कुछ और अनुमान लगा रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि वह अगला मैच खेलेंगे और देखेंगे कि वे कहां हैं। अगर इंग्लैंड 3-1 से हार जाता है, तो वह नहीं खेलेंगे। लेकिन अगर 2-2 का स्कोर होता है, तो वह ओवल में खेलेंगे।'

लॉयड ने बुमराह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब वह प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होते हैं तो भारत ज़्यादा मैच हारता है। उन्होंने आगे कहा, 'यह असाधारण है। ऐसा कहा जाता था कि जब वह खेलते हैं तो टीम ज़्यादा हारती है, बजाय इसके कि जब वह नहीं खेलते और वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक

हैं। उनका एक्शन अजीब और खराब है, लेकिन वह पूरी तरह से अच्छे गेंदबाज हैं।' 2018 में अपने पदार्पण के बाद से बुमराह ने 47 टेस्ट मैच खेले हैं और उनमें टीम का जीत-हार का रिकॉर्ड 20-23 है।

रिद्धिमान साहा देंगे खिलाड़ियों को कोचिंग, यह राज्य मुख्य कोच बनाने की तैयारी में

नई दिल्ली। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास लेने के छह महीने बाद भारत के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक रिद्धिमान साहा कोचिंग के क्षेत्र में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं क्योंकि बंगाल क्रिकेट संघ (CAB) ने उन्हें अंडर-23 राज्य टीम का मुख्य

कोच नियुक्त करने में दिलचस्पी दिखाई है। इस 40 वर्षीय ने इस साल जनवरी में रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लीग चरण अभियान के अंत में प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऐसा माना जा रहा है कि बंगाल के पूर्व कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला सीनियर टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे जबकि पूर्व ऑफ स्पिनर सौरभ लाहिड़ी अंडर-19 टीम के कोच होंगे। CAB के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'CAB के अधिकारी अगले हफ्ते तक विभिन्न टीमों के लिए सभी उम्मीदवारों पर फैसला कर लेंगे। निश्चित रूप से रिद्धिमान से बात हो चुकी है और अगले हफ्ते अंतिम फैसला लिया जाएगा। सौरव गांगुली और पंकज रॉय के अलावा वह 40 टेस्ट के साथ बंगाल का बड़ा नाम हैं।' उन्होंने कहा, 'इतने लंबे समय तक शीर्ष स्तर का क्रिकेट खेलने का उनका अनुभव बंगाल क्रिकेट की अगली पीढ़ी के लिए फायदेमंद साबित होगा। रिद्धिमान पहले से ही कई कोचिंग सेंटर चलाते हैं और वह जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक बेहद अनुभवी कोच रहे हैं। वह कोचिंग के प्रति जुनूनी हैं। उम्मीद है कि वह इसके लिए तैयार होंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

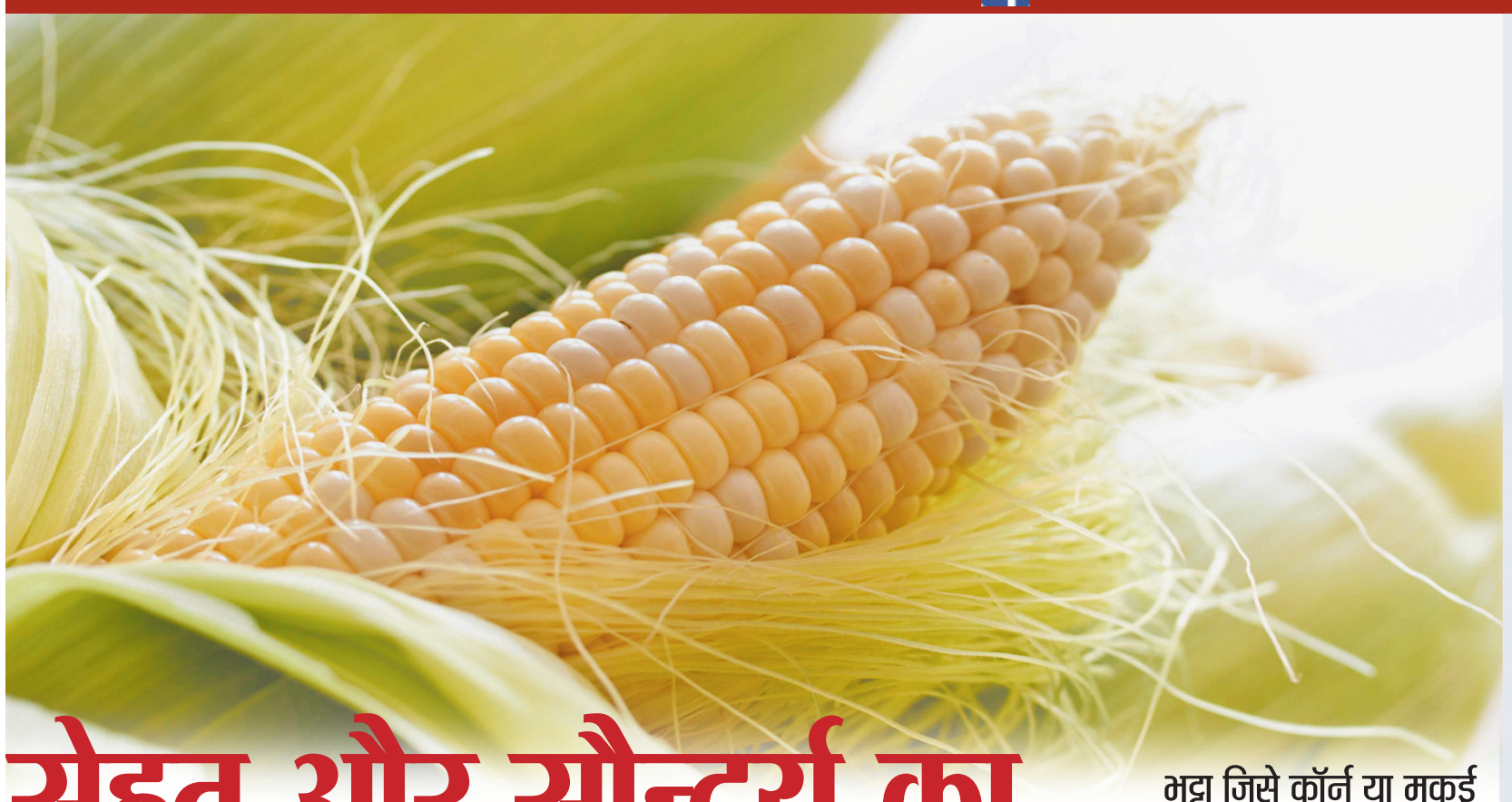

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना.

डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडिगो विमान का हवा में इंजन फेल, मुंबई में कराना पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट की मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। इंडिगो ने बयान जारी कर कहा, 'फ्लाइट संख्या 6ई-231 को तकनीकी खराबी के कारण उसे मुंबई में प्राथमिकता के आधार पर उतारा गया है। विमान की जांच की जा रही है और यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। इंडिगो के एक विमान का एक इंजन कथित तौर पर फेल हो जाने के कारण उसे बुधवार को मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंडिगो विमान के उड़ान भरने के बाद पायलट ने रात करीब 9:25 बजे हवाई यातायात नियंत्रण को आपातकालीन स्थिति की सूचना दी। इसके बाद रात करीब 9:42 बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग मुंबई एयरपोर्ट पर कराई गई। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। कई फ्लाइट ट्रैकर्स ने दिखाया है कि इंडिगो की एक फ्लाइट ने रात करीब 8 बजे दिल्ली से गोवा के लिए उड़ान भरी लेकिन उसे मुंबई की ओर मोड़ दिया गया, जहां वह रात 10 बजे के करीब छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी।

महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गांव में पहली बार पहुंची बस

- ग्रामीणों ने तिरंगा लहराकर बस का स्वागत किया

गढ़चिरौली (एजेंसी)। गढ़चिरौली, महाराष्ट्र कभी नक्सल प्रभावित रहे गढ़चिरौली जिले के सुदूर मरकनार गांव में आजादी के बाद पहली बार सरकारी बस सेवा शुरू हुई है। जैसे ही पहली बस गांव पहुंची, ग्रामीणों ने तिरंगा लहराकर उसका स्वागत किया। मरकनार गांव भामरागढ़ उपखंड के अबूझमाड़ क्षेत्र की तलहटी में स्थित है, जो पहले नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। खराब कनेक्टिविटी के चलते यह इलाका अब तक मुख्यधारा से कटा हुआ था। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल की पहल पर राज्य परिवहन की यह सेवा शुरू की गई है। नई बस सेवा से मरकनार के साथ-साथ मुरुंभुशी, फुलनार, कोपरशी, पोयारकोठी और गुंडुरवाही जैसे गांवों के करीब 1,200 निवासी लाभान्वित होंगे। इससे खासतौर पर छात्रों, मरीजों और अन्य यात्रियों को राहत मिलेगी। गढ़चिरौली पुलिस ने हाल के वर्षों में दूरदराज इलाकों में सड़कों और पुलों का तेजी से निर्माण किया है। बीते पांच वर्षों में जिले में 420.95 किलोमीटर लंबी 20 सड़कों और 60 पुलों का निर्माण पुलिस संरक्षण में किया गया है। इसके अलावा जनवरी 2025 को गट्टा-गरदेवड़ा-वांगेतुरी मार्ग और अप्रैल 2025 को कटेझर से गढ़चिरौली तक बस सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में यह परिवहन सेवा एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जो विकास और विश्वास की नई राह खोल रही है।

सेना का जवान दुश्मन को भेज रहा था सेना की जानकारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ी जासूसी को लेकर चल रही जांच में नया मोड़ आ गया है। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ एसएएस नगर ने भारतीय सेना के सेवारत जवान देविंदर सिंह को गोपनीय सैन्य जानकारी लीक करने में कथित तौर पर मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी 14 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी में की गई थी। इससे पहले इस मामले में गिरफ्तार किए गए पूर्व सैनिक गुरप्रीत सिंह उर्फ गुरी या फौजी ने भी खुलासा किया था। एआईजी के मुताबिक संगरूर जिले के निहालगढ़ निवासी देविंदर सिंह ने गुरप्रीत के फिरोजपुर जेल में बंद रहने के दौरान भारतीय सेना के दस्तावेज़ हासिल करने में भूमिका निभाई थी। माना जा रहा है कि इन दस्तावेज़ों में संवेदनशील रक्षा जानकारी शामिल थी और कथित तौर पर इन्हें पाकिस्तान की आईएसआई को भेजा गया था। पूछताछ से पता चलता है कि देविंदर और गुरप्रीत की पहली मुलाकात 2017 में पुणे में सैन्य प्रशिक्षण के दौरान हुई थी और वे सिक्किम और जम्मू-कश्मीर में कई पदों पर साथ कार्यरत रहे। देविंदर सिंह को 15 जुलाई को मोहाली की कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे छह दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को रोहिंग्या घुसपैठियों से मुक्त करने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग से राज्य की मतदाता सूची को रोहिंग्या घुसपैठियों से मुक्त करने की मांग की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा विधायकों के साथ विधानसभा से लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय तक मार्च निकाला और सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। अधिकारी ने आरोप लगाया कि बंगाल में फर्जी आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र और वोटर आईडी (ईपीआईसी) कार्ड बनाने का गढ़ बन गया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को जनसंख्या संतुलन की चिंता नहीं, उन्हें सिर्फ वोटर लिस्ट की चिंता है। उन्होंने कहा कि ममता सरकार रोहिंग्या की पहचान के चल रहे काम में बाधा डाल रही है, ताकि अपने वोट बैंक को सुरक्षित रख सके। भाजपा नेता अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लगभग सभी हिस्सों में रोहिंग्या मुसलमानों की मौजूदगी है। उन्होंने मांग की कि बिहार की तरह बंगाल में भी रोहिंग्या को वोटर लिस्ट से हटाया जाए और इसके लिए तत्काल घर-घर जाकर सर्वे कराया जाए। शुभेंदु अधिकारी ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की बात कही। साथ ही कहा कि सीईओ को राज्य और केंद्र सरकार के कम से कम 50 फीसद कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात करने चाहिए। अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है।

अहमदाबाद विमान हादसा: पूरी जांच से पहले कैप्टन को दोष देना बिल्कुल गलत

अमेरिकी मीडिया ने लिखी एआई-171 की नई कहानी, तो मिला तगड़ा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पायलट महासंघ (एफआईपी) ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) में प्रकाशित एक लेख की कड़ी आलोचना की है, जिसमें अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया हादसे के लिए कैप्टन को गलत तरीके से दोषी ठहराने का आरोप लगाया गया है। डब्ल्यूएसजे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह दुर्घटना विमान में ईंधन नियंत्रण स्विच की गति से जुड़ी पायलट की गलती का परिणाम थी। एफआईपी प्रमुख सीएस रंधावा ने अमेरिकी मीडिया संस्थान की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले हफ्ते जारी विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जाँच रिपोर्ट में दुर्घटना के लिए पायलटों को दोषी नहीं ठहराया गया है।

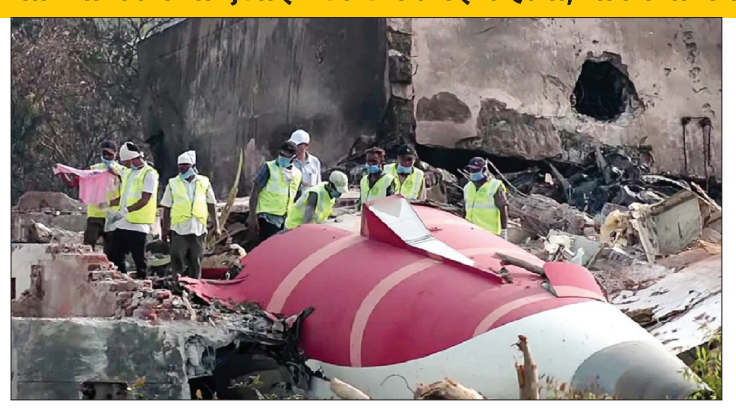

रिपोर्ट में कहीं भी यह उल्लेख नहीं किया गया है कि पायलट की गलती के कारण ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गया था। मैं वॉल स्ट्रीट जर्नल के लेख की निंदा करता हूँ। उन्होंने कहा कि यह पायलट की गलती थी। उन्होंने रिपोर्ट को ठीक से नहीं पढ़ा है, और हम एफआईपी के माध्यम से उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे, 'रंधावा ने समाचार एजेंसी को बताया। उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं। मैंने वॉल स्ट्रीट जर्नल को अपनी राय नहीं दी, जिसने मुझसे भी संपर्क किया था, क्योंकि मैं इस अमेरिकी मीडिया के खिलाफ हूं। वे जानबूझकर इस रिपोर्ट से अपनी राय, अपने विचार दे रहे हैं, जबकि रिपोर्ट में ऐसा कुछ भी नहीं है। इसलिए मैं वॉल स्ट्रीट जर्नल की इस रिपोर्ट की बहुत कड़ी निंदा करता हूं और हम इस पर कार्रवाई करेंगे।

एएआईबी रिपोर्ट से क्या पता चला?

एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि उड़ान भरने के तुरंत बाद दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच रन की बजाय कट-ऑफ स्थिति में पाए गए थे। रिपोर्ट में पायलटों के बीच हुई एक संक्षिप्त लेकिन भयावह बातचीत का हवाला दिया गया ह। जिसमें एक ने पूछा आपने ईंधन क्यों बंद किया। दूसरे ने जवाब दिया, मैंने ऐसा नहीं किया। हालाँकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किस पायलट ने क्या बयान दिया, न ही यह बताया गया कि यह कृत्य जानबूझकर किया गया था या दुर्घटनावश।

भाजपा अध्यक्ष के नाम पर संघ और भाजपा के बीच नहीं बन पा रही सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का इंतजार किया जा रहा है। लेकिन भाजपा को नया अध्यक्ष नहीं मिल पा रहा है। इसकी मूल वजह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्र के मुताबिक हाल ही में दो-दो केंद्रीय मंत्रियों के नाम भाजपा अध्यक्ष के पद के लिए आरएसएस को भेजे गए थे, लेकिन उनमें से किसी के नाम पर भी सहमति नहीं बन सकी है।

इससे पहले खबर आई थी कि भाजपा अपने इतिहास में पहली बार किसी महिला नेता के हाथों में पार्टी की कमान सौंप सकती है। उनमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का नाम प्रमुख था। इसके अलावा दो और केंद्रीय मंत्रियों के नाम इस रेस में थे, जनमें मनोहर लाल खट्टर और शिवराज सिंह चौहान शामिल हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के चयन के साथ-साथ भाजपा के लिए देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के अगले प्रदेश अध्यक्ष के नाम की भी चुनौती बनी हुई है। सूत्रों का कहना है कि यूपी में भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति पर भी अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के बीच सहमति नहीं बन सकी है। भाजपा की तरफ से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भेजा गया था। दोनों ही नेताओं को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है। आरएसएस का मानना है कि भाजपा को 2029 के बाद के युग के लिए तैयार करना जरूरी है। संघ भाजपा के लिए अगली और एक नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है। आरएसएस चाहता है कि भाजपा को एक रबर स्टांप अध्यक्ष की जगह एक मजबूत नेतृत्व मिले जिसे पार्टी के कार्यकर्ता भी पसंद करते हों। वह नरेंद्र मोदी के बाद भाजपा को संभालने में सक्षम हो। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, आरएसएस और भाजपा के वर्तमान नेतृत्व के बीच तीन दौर की बैठकों के बाद भी सहमति नहीं बनी है। आगे और चर्चा होनी है।

पहलगाम हमले के आंतकियों की हुई पहचान...जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा: उपराज्यपाल सिन्हा

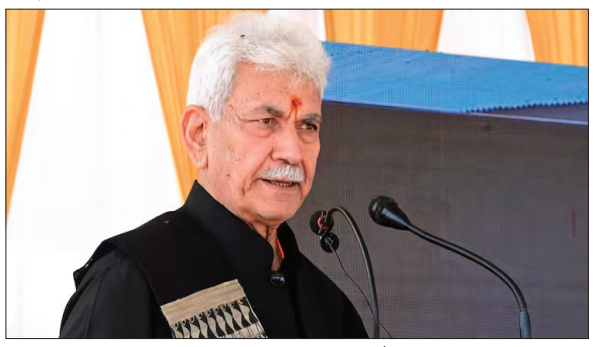

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की पहचान हो गई है और जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि कश्मीर घाटी में शांति भंग करने की कोई भी कोशिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के द्वारा पाकिस्तान को कड़ी प्रतिक्रिया मिली। हमले को अंजाम देने वालों की पहचान कर ली गई है और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब उनका जिंदा रहना मुश्किल है। बहुज जल्द अच्छी खबरें जरूर आएगी, लेकिन कोई निश्चित तारीख बताना अभी उचित नहीं होगा। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि पिछले पांच साल में विभिन्न आतंकवादी संगठनों के शीर्ष आका भी अब जिंदा नहीं रहे और उनका (आतंकियों का) भी यही हश्र होगा।

बता दें कि पिछले दिनों एक साक्षात्कार में सिन्हा ने कहा था कि वे पहलगाम हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि उपराज्यपाल सिन्हा ने देर से ही सही, लेकिन आखिरकार स्वीकार किया कि पहलगाम हमले के लिए खुफिया विफलता जिम्मेदार थी। उन्होंने इस आतंकवादी हमले के सिलसिले में जिम्मेदारी तय करने का आह्वान किया, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। उमर ने कहा, 80 दिन बाद ही सही, लेकिन देर आए दुरुस्त आए। हमने यह (पहले) नहीं कहा, जबकि हम जानते थे कि इतना बड़ा हमला (खुफिया) विफलता के बिना नहीं हो सकता।

महाराष्ट्र विधानसभा में हनीट्रैप प्रकरण को लेकर विपक्ष हमलावार... उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कार्रवाई का भरोसा दिया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा में गुरुवार को तथाकथित हनीट्रैप प्रकरण को लेकर हंगामा मच गया है। महाराष्ट्र सरकार पर कार्रवाई न करने और मामले को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाकर विपक्षी दलों ने विधानसभा से वॉकआउट किया। यह मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस नेता नाना पटोले ने उठाया। उन्होंने इस गंभीर मामले की जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की थी। बीतों दिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने फडणवीस सरकार को निर्देश दिया था कि इस पर उचित कार्रवाई कर सदन को जवाब दिया जाए।

कांग्रेस नेता पटोले ने गुरुवार को फिर से मामले को उठाया। उनकी मांग का एनसीपी-एसपी नेता जयंत पाटिल और शिवसेना (उद्धव गुट) के विधायक भास्कर जाधव ने समर्थन किया। इसके बाद अध्यक्ष नार्वेकर ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए कि शुक्रवार को अधिवेशन के समाप्त होने से पहले मुद्दे पर कार्रवाई कर सदन को जानकारी दी जाए। इस पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सहमति जताकर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

हालांकि, विपक्ष का कहना है कि सरकार इस संवेदनशील विषय को लेकर ढीलापन दिखा रही है और जनता के साथ न्याय नहीं कर रही है। इन आरोपों के बाद विपक्षी विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

दरअसल, कुछ दिन पहले महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में उच्च पदस्थ अधिकारियों और पूर्व मंत्रियों को कथित तौर पर हनीट्रैप में फंसाने का मामला आया था। यह खुलासा तब हुआ, जब कुछ अधिकारियों की ओर से पुलिस में शिकायतें दी गईं। दावा है कि उच्च पदस्थ अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाकर उनसे रंगदारी वसूलने की कोशिश की गई थी।

एडवाइजरी: ईरान में गैर-जरूरी यात्रा से बचें भारतीय नागरिक, निकलने के लिए सेवाएं मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य-पूर्व में बने हुए तनाव के बीच भारत ने ईरान में अपने नागरिकों के लिए एक जरूरी परामर्श जारी किया है। जिसमें उन्हें उभरते हुए हालातों को देखते हुए ईरान में किसी भी प्रकार की गैर-आवश्यक यात्रा न करने की सलाह दी गई है। यह जानकारी ईरान में भारतीय दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी है। जिसमें कहा गया है कि बीते कुछ सप्ताहों से बने हुए सुरक्षा घटनाक्रमों के बीच भारतीय नागरिक ईरान में अपनी तमाम गैर-जरूरी यात्राओं से बचें और लगातार क्षेत्रीय गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। इसके अलावा ईरान में किसी भी यात्रा से पहले भारतीय अधिकारियों-प्राधिकारियों द्वारा जारी किए जाने वाले अपडेटेड परामर्श पर ध्यान दें। मालूम हो कि दूतावास का यह परामर्श इजरायल-ईरान युद्ध से जुड़ा हुआ है। जिसमें अभी फिलहाल दोनों देशों के बीच युद्धविराम लागू (13 जून 2025 से) है। लेकिन क्षेत्र में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। इसलिए ये कहना मुश्किल है कि युद्ध के बीच बनी हुई यह अस्थायी शांति कब तक कायम रहेगी। दोनों देशों के मध्य तनाव के बीच भारत ने बातचीत और कूटनीति के जरिए समस्या के समाधान पर जोर दिया है।

दूतावास के मुताबिक, ईरान में मौजूद भारत के नागरिक अगर इस संवेदनशील परिस्थिति के बीच वहां से बाहर निकलना चाहते हैं। तो उनके लिए वाणिज्यिक उड़ान सेवाओं के साथ ही नौका सेवा का विकल्प भी मौजूद है। ईरान में भारतीयों की कुल संख्या करीब 10 हजार है। जिसमें मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों की तादाद अधिक है। वहीं, मौजूदा तनाव के बीच भारत ने ऑपरेशन सिंधु के जरिए बीते समय में 800 से अधिक भारतीयों की ईरान से सुरक्षित स्वदेश वापसी कराई है। यह अभियान फिलहाल जारी है, भारत की ईरान के समूचे घटनाक्रम पर पैनी नजर बनी हुई है। पिछले मंगलवार को चीन के तियानजिन में आयोजित किए गए शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों की एक मुलाकात भी हुई थी। जिसे लेकर डॉ.जयशंकर ने प्रसन्नता जाहिर की थी। ऑपरेशन सिंधु के दौरान भारत को ईरान का पूरा सहयोग मिला था और उसने भारत के नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए अपनी हवाई सीमा-क्षेत्र भी खोल दिया था। जिसे इजरायल के साथ युद्ध की वजह से बंद कर दिया गया था।

हरियाणा में 12 घंटे में दो बार आया भूकंप, नुकसान की सूचना नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा में गुरुवार दोपहर भूकंप आया। इसका केंद्र झज्जर जिले के गांव दुल्हेड़ा के पास था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.5 मापी गई। इससे पहले रोहतक में बुधवार-गुरुवार देर रात 12:46 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके लगते ही लोगों की नींद खुल गई और वह घरों से बाहर आ गए। हालांकि किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन रात भर डर का माहौल था।

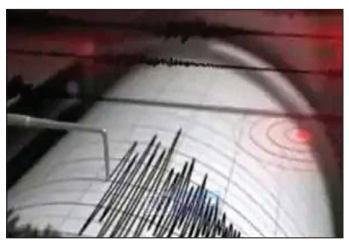

जानकारी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। इस भूकंप से जमीन के 10 किलोमीटर नीचे गहराई में हलचल हुई। इसका केंद्र रोहतक का गांव भालौठ के नजदीक का क्षेत्र था। प्रदेश में पिछले 20 दिन में पांच बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के लिहाज से हरियाणा में 12 जिले संवेदनशील हैं। इनमें रोहतक, पानीपत, करनाल, महेंद्रगढ़, पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, गुरुग्राम, झज्जर, नूंह, पलवल और फरीदाबाद शामिल हैं।

बत दें महेंद्रगढ़ जिले में 27 जून की शाम को भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक उस दिन भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 मापी गई। जिसकी गहराई 5 किलोमीटर थी। 10 जुलाई को सुबह 9 बजकर 5 मिनट पर भूकंप आया था। करीब 10 सेकेंड तक झटके लगे थे। इसका केंद्र झज्जर था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 थी। भूकंप के झटके गुरुग्राम, रोहतक, पानीपत, झज्जर, हिसार, रेवाड़ी में महसूस किए गए थे।

वहीं 11 जुलाई को शाम 7 बजकर 49 मिनट पर झटके लगे। इसका केंद्र भी झज्जर रहा। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 रही, जिसका असर गुरुग्राम, रोहतक, जींद, रेवाड़ी, सोनीपत और झज्जर में दिखा। 16-17 जुलाई की रात 12.46 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र रोहतक रहा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। इसमें किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। वहीं आज यानी गुरुवार को दोपहर 12:34 बजे भूकंप आया। इसका केंद्र झज्जर में रहा। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 2.5 मापी गई। इसका केंद्र 5 किलोमीटर की गहराई में था।

धर्मांतरण की जड़ों की तलाश-ईडी ने उप्र से मुंबई तक छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर मारे छापे

मुंबई (एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण के आरोप में फंसे यूपी के जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किल और बढ़ती जा रही हैं। बाबा की करतूतों की जड़े कहां-कहां फैली हैं फिलहाल अंदाजा लगाना कठिन है। ऐसी ही तलाशी को लेकर बाबा के ठिकानों पर गुरुवार तड़के ईडी ने बड़ी कार्रवाई की। सात टीमों ने बलरामपुर जिले के उतरोला और मुंबई में दो स्थानों पर छापा मारा। इस दौरान उसकी कोठी दो अन्य मकान का कोना कोना खंगाला। टीम दोपहर में तहसील भी जाएगी और कई कर्मचारियों से पूछताछ करेगी। एटीएस ने पांच जुलाई को छांगुर और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को गिरफ्तार किया था। एक साल में 100 करोड़ के लेनदेन की बात सामने आई थी।

इस पर तीन दिन बाद ईडी ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। बलरामपुर पुलिस और प्रशासन के साथ एटीएस से काफी ब्योरा ईडी ने लिया था। कई तथ्य और दस्तावेज मिलने के बाद ईडी ने ये छापेमारी की है। ईडी की ये कार्रवाई अन्य जिलो में भी होगी। सूत्रो के मुताबिक ईडी उतरौला तहसील के कुछ कर्मचारियों के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई कर सकती है। वहीं धर्मांतरण के आरोपी छांगुर से जुड़े प्रकरण में एक युवक की तलाश में एटीएस गोण्डा पहुंच गई। यहां पता चला कि इस युवक की मौत हो चुकी है। उसके बारे में कई जानकारियां जुटाई। इन लोगों ने बताया कि गोण्डा में धर्मांतरण कराने के दौरान बजरंग दल के कुछ लोगों ने विवाद कर दिया था तब वह जेल गया था। धानेपुर इलाके के रेतवागाड़ा गांव के रहने वाले मोहर्रम अली उर्फ आजाद ने बताया कि वह कव्वाली और जागरण करते थे। उनके बड़े भाई रमजान अली ढोल बजाते थे। वर्ष 2023 में रमजान उतरौला के कुछ लोगों के साथ आजमगढ़ में एक कार्यक्रम में गये थे। वहां रात में प्रोग्राम के दौरान बजरंग दल के कुछ लोग पुलिस के साथ आ गए। इन लोगों ने आयोजन में धर्मांतरण कराने का आरोप लगाकर हंगामा किया। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनके भाई को गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया। आठ महीने तक वह जेल में रहा। तीन जनवरी 2024 को जमानत पर बाहर आया था। इसके बाद उसकी तबीयत खराब रहने लगी और चार मार्च, 2024 को मौत हो गई थी। छांगुर के मददगारों की तलाश के दौरान रमजान का नाम भी एटीएस के सामने आया। एटीएस का कहना है कि रमजान नाम के एक शिक्षक की तलाश में गई थी।

भारत आ रहा हवाई टैंक अपाचे... इस सप्ताह से शुरु होगी डिलेवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से अपाचे अटैक हेलिकॉप्टरों की डिलेवरी इसी सप्ताह से शुरु होने जा रही है। पहली खेप के तहत कुल तीन अपाचे हेलिकॉप्टर मिलने हैं, जो रात के अंधेरे में भी टारगेट को खोजने और मार करने में सक्षम है। अमेरिकी सेना में लंबे समय से तैनात इन हेलिकॉप्टरों की काफी डिमांड रही है। अब तक करीब 20 देशों को अमेरिका की ओर से इन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी कर चुका है। सूत्रों के अनुसार भारत इन हेलिकॉप्टरों को पाकिस्तान से लगती सीमा पर तैनात करने की तैयारी में है। 2 जुलाई को ही खबर आई थी कि इन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी का इंतजार खत्म होगा और इसी महीने ये भारत आ सकते हैं।

इन अपाचे हेलिकॉप्टरों को हवाई टैंक भी कहा जाता है। अमेरिका से आने वाले एएच-64ईएस अपाचे हेलिकॉप्टरों की लैंडिंग गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर होगी। भारतीय सेना की ओर से इन हेलिकॉप्टरों के लिए अलग से बेड़ा पहले ही तैयार कर लिया है। जोधपुर में 15 महीने पहले ही इसकी शुरुआत हो चुकी है। लेकिन हेलिकॉप्टरों की डिलिवरी अटक गई थी। इसकी वजह थी कि दुनिया के भू-राजनीतिक समीकरण बदल गए और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन भी ट्रेड टैरिफ आदि में व्यस्त था। बता दें कि पहले ही इंडियन एयरफोर्स के पास दो स्क्वैड्रन पठानकोट और जोरहाट में सक्रिय हैं।

बता दें कि 2015 में भी भारत सरकार ने 22 अपाचे हेलिकॉप्टरों की डील अमेरिका से की थी। उस ऑर्डर की पूरी डिलिवरी अमेरिका की ओर से जुलाई 2020 में की गई थी। इसके बाद 2020 में भारत ने 6 हेलिकॉप्टर और खरीदने की डील की थी। इसके तहत पहली खेप की डिलिवरी मई से जून 2024 के बीच होनी थी। लेकिन इसमें देरी होती गई। बता दें कि अमेरिकी कंपनी बोइंग और टाटा की ओर से भी एक जॉइंट वेंटर हैदराबाद में चल रहा है। यहां तैयार किया गया एक अपाचे हेलिकॉप्टर 2023 में भारतीय सेना को मिला था। इस हेलिकॉप्टर की खासियत यह है कि अंधेरे में भी यह अटैक कर सकता है। इसके अलावा किसी भी मौसम में यह सटीक डेटा हासिल कर सकता है। इन हेलिकॉप्टरों में नाइट विजन नेविगेशन सिस्टम है। इसके माध्यम से रात के अंधेरे में भी टारगेट की तलाश की जा सकती है। बता दें कि अपाचे हेलिकॉप्टरों को ना सिर्फ आक्रमण के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है बल्कि इन्हें सुरक्षा और शांति ऑपरेशनों के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ईरान पर फिर लग सकते हैं प्रतिबंध

तेहरान, एजेंसी। दो यूरोपीय राजनयिकों ने मंगलवार को बताया कि अगर परमाणु समझौते पर कोई ठोस प्रगति नहीं होती है तो ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे देश अगस्त में ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के कड़े प्रतिबंध बहाल करने पर सहमत हैं। इस मुद्दे पर तीनों देशों के राजदूतों की जर्मनी में संयुक्त राष्ट्र मिशन में चर्चा हुई। तीनों देशों के विदेश मंत्रियों ने अमेरिकी विदेश मंत्री के साथ फोन पर बातचीत में भी इस विषय पर चर्चा की। इन देशों की कोशिश है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न कर सके।

पूर्व नाइजीरियाई राष्ट्रपति बुहारी को हजारों लोगों ने दी अंतिम विदाई

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मदु बुहारी का अंतिम संस्कार मंगलवार को उनके उत्तर स्थित गांव में किया गया। हजारों लोग उन्हें आखिरी बार देखने और विदाई देने के लिए सड़कों पर जमा हो गए। बुहारी का निधन रविवार को लंदन में हो गया। वे 82 साल के थे और कुछ समय से बीमार चल रहे थे। 2023 में सत्ता छोड़ने के बाद से वे सार्वजनिक रूप से ज्यादा दिखाई नहीं देते थे। उनके अंतिम संस्कार में नाइजीरिया के वर्तमान राष्ट्रपति बोला टीनुबू और कई अन्य नेता भी शामिल हुए। सेनेगल की राष्ट्रपति बसिरू फेय ने बुहारी को नाइजीरिया और अफ्रीका के राजनीति जगत का एक बड़ा नेता बताया।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर तख्तापलट की साजिश का आरोप

ब्रासीलिया हवे, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर 2022 के चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगा है। ब्राजील के मुख्य अभियोजनक-जनरल पाउलो गोनेट ने इस मामले में कोर्ट से बोल्सोनारो को दोषी करार दिए जाने की मांग की है। उन्होंने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) देर रात जारी 517 पन्नों की रिपोर्ट में कहा, सबूत स्पष्ट हैं, अभियुक्त ने अपने कार्यकाल के दौरान और चुनावों में हार के बाद भी, विद्रोह भड़काने और लोकतांत्रिक कानून व्यवस्था को अस्थिर करने के लिए व्यवस्थित रूप से काम किया। वहीं, बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को झूठा बताया है। उन्होंने कहा कि मैंने कभी लोकतंत्र या संविधान का उल्लंघन नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि यह मुकदमा एक चुड़ैल का शिकार था, जो पिछले हफ्ते अपने दक्षिण अमेरिकी सहयोगी के बचाव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द की याद दिलाता है।

सीनेट ने ट्रंप के 9 अरब डॉलर के खर्च कटौती अनुरोध को आगे बढ़ाया

वाशिंगटन, एजेंसी। सीनेट के रिपब्लिकन सदस्यों ने मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व में स्वीकृत लगभग 9 अरब डॉलर के खर्च को कम करने के अनुरोध को आगे बढ़ाया। सीनेट में मतदान 50-50 के अंतर से हुआ, जिसमें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने वोट देकर बराबरी का अंतर तोड़ा। सीनेट में अंतिम मतदान बुधवार को हो सकता है। इसके बाद विधेयक पर सदन में एक और मतदान होगा, जिसके बाद शुक्रवार की समय सीमा से पहले इसे ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए उनके पास भेजा जाएगा। रिपब्लकिन सदस्य प्रस्तावित 40 करोड़ डॉलर की कटौती के लिए क्षक्षक्त्रश्क्र नामक कार्यक्रम को बंद करने पर विचार कर सकते हैं। एचआईवी/एड्स जैसी बीमारी से निपटने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश ने इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

पुतिन को फोन कर मनाएं, वरना लगेंगे कड़े प्रतिबंध, नाटो ने भारत-चीन और ब्राजील को चेताया

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्रिक्स में शामिल देशों को नाटो की तरफ से चेतावनी जारी की गई है। यह चेतावनी रूस के साथ व्यापारिक संबंध बनाए रखने की स्थिति में जारी की गई है। नाटो के महासचिव मार्क रुटे ने अमेरिका की संसद में वहां के सांसदों से मुलाकात के दौरान ये बातें कही हैं। उन्होंने भारत, ब्राजील और चीन से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता पर गंभीरता से सोचने के लिए मनाने की अपील भी की है। उन्होंने कहा, मेरा भारत, चीन और ब्राजील के नेताओं से आग्रह है कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लें क्योंकि यह संकट आपके देश पर बहुत भारी पड़ सकता है। रुटे ने चेताया कि अगर रूस यूक्रेन के साथ शांति वार्ता के लिए तैयार नहीं हुआ तो इन देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, कृपया पुतिन को फोन करें और कहें कि अब वक्त आ गया है कि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। वरना इसका भारी नुकसान ब्राजील, भारत और चीन को उठाना पड़ेगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को नई सैन्य सहायता देने की घोषणा की थी। इस दौरान ट्रंप ने रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 100प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाने की धमकी दी। उन्होंने यह धमकी 50 दिनों के भीतर शांति समझौता नहीं होने की स्थिति में दी है। आपको बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत, चीन और ब्राजील ने एक तटस्थ नीति अपना रखी है। इन देशों ने यूक्रेन युद्ध में स्पष्ट पक्ष नहीं लिया है और निष्पक्ष रुख अपनाया है। इसके अलावा, इन तीनों देशों के रूस के साथ ऊर्जा और व्यापारिक संबंध जारी हैं। नाटो के इस बयान को रूस पर दबाव बनाने के लिए एक हथियार के तौर पर देखा जा सकता है। ट्रंप ने पिछले हफ्ते रूस पर यूक्रेन में लड़ाई समाप्त करने के लिए समझौता करने में विफल रहने की सूरत में बड़े प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा कि मॉस्को को समझौता करने के लिए 50 दिन का समय दिया जाएगा, जिसके उपरांत उसे बहुत गंभीर आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन के निशाने पर न्याय विभाग
10 राज्यों के 17 आव्रजन न्यायालयों के जजों को किया बर्खास्त

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन के निशाने पर अब न्याय विभाग है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में 10 राज्यों के 17 आव्रजन न्यायालयों के न्यायाधीशों को बर्खास्त कर दिया है। ये कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब ट्रंप प्रशासन ने देश से प्रवासियों को बड़े पैमाने पर निर्वासित करने की प्रक्रिया को तेज किया है। न्यायाधीशों की बर्खास्तगी के बारे में जजों का प्रतिनिधित्व करने वाले संघ ने जानकारी दी है।

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ प्रोफेशनल एंड टेक्निकल इंजीनियर्स, जो जजों और दूसरे पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करता है, ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को 15 और सोमवार को दो न्यायाधीशों को बिना किसी कारण बर्खास्त कर दिया। संघ ने कहा कि ये जज अमेरिका के 10 राज्यों- कैलिफोर्निया, इलिनॉय, लुइसियाना, मैरीलैंड, मैसाचुसेट्स, न्यूयॉर्क, ओहायो, टेक्सास, यूटा और वर्जीनिया की अदालतों में कार्यरत थे।

आव्रजन न्यायालयों में 35 लाख केस लंबित

आव्रजन न्यायालयों में करीब 35 लाख केस लंबित हैं। किसी केस का फैसला आने में कई साल लग सकते हैं, क्योंकि न्यायाधीश और वकील अक्सर किसी मामले के गुण-दोष के आधार पर अंतिम सुनवाई एक साल से भी ज्यादा समय के लिए निर्धारित करते हैं। आपराधिक न्यायालयों के विपरीत, आव्रजन अदालतों में प्रवासियों को सरकार की तरफ से वकील नहीं दिया जाता है। अगर वे वकील नहीं रख सकते, तो खुद ही अपना केस लड़ते हैं, और उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए अक्सर दुभाषिए की जरूरत होती है।

संघ अध्यक्ष ने न्यायाधीशों की बर्खास्तगी को बेतुका बताया

संघ अध्यक्ष मैट बिग्स ने कहा, यह अपमानजनक और जनहित के खिलाफ है कि जब कांग्रेस ने 800 नए आव्रजन न्यायाधीशों को नियुक्त करने की अनुमति दी है, तब ट्रंप प्रशासन मौजूदा न्यायाधीशों को बिना कारण हटा रहा है। यह बेतुका है। इसका समाधान बर्खास्तगी बंद करके नियुक्ति शुरू करना है।

न्याय विभाग ने बर्खास्तगी पर टिप्पणी करने से इनकार किया

न्यायाधीशों की बर्खास्तगी ऐसे समय में हुई है, जब ट्रंप प्रशासन आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहा है। आव्रजन न्यायालयों में पेश होने वाले प्रवासियों को अब कोर्ट के बाहर गिरफ्तार किया जा रहा है, जिससे डर का माहौल बन गया है। न्याय विभाग के अंतर्गत आने वाले आव्रजन समीक्षा कार्यकारी कार्यालय की एक प्रवक्ता, जो अदालतों की देखरेख करती है, ने एक ईमेल में कहा कि कार्यालय इन बर्खास्तगी पर कोई टिप्पणी नहीं करेगा।

वर्तमान में 600 आव्रजन न्यायाधीश कार्यरत

यूनियन का मानना है कि इन बर्खास्तगियों से अदालतों में काम की रफ्तार तेज नहीं होगी, बल्कि और भी केस लंबित हो जाएंगे। यूनियन ने कहा कि नए आव्रजन अदालती जजों की भर्ती, नियुक्ति और प्रशिक्षण में एक साल तक का समय लग सकता है। यूनियन के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में लगभग 600 आव्रजन न्यायाधीश कार्यरत हैं, और आव्रजन अदालतें न्याय विभाग के अधीन आती हैं।

आव्रजन व्यवस्था को सुधारने के लिए पारित हुआ नया कानून

हाल ही में अमेरिका में एक नया कानून पारित हुआ है, जिसमें आव्रजन व्यवस्था को सुधारने के लिए 170 अरब डॉलर खर्च किए जाएंगे। इसमें से 3.3 अरब डॉलर आव्रजन न्यायालयों को दिए जाएंगे, ताकि 800 जजों की नियुक्ति और स्टाफ की भर्ती हो सके। लेकिन यूनियन का कहना है कि ट्रंप प्रशासन के आने के बाद से अब तक 103 से ज्यादा न्यायाधीशों को या तो बर्खास्त कर दिया गया है या उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया है।

भिखारियों के विवाद में क्यूबा की मंत्री की छिन गई कुर्सी, भारी विरोध के बाद देना पड़ा इस्तीफा

हवाना, एजेंसी। क्यूबा में श्रम मंत्री ने भिखारियों को लेकर ऐसा बयान दे दिया कि पूरे देश में इसे लेकर हंगामा हो गया और आखिरकार मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। क्यूबा के राष्ट्रपति ने भी बयान की आलोचना की। विरोध इतना ज्यादा था कि राष्ट्रपति को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रम मंत्री के इस्तीफे की जानकारी देनी पड़ी। दरअसल श्रम मंत्री मार्ता एलेना फीतो केबरेरा ने अपने बयान में कहा कि देश में कोई भिखारी नहीं है और लोग सिर्फ भिखारी होने का दिखावा करते हैं।

मार्ता एलेना फीतो केबरेरा ने सोमवार को नेशनल असेंबली समिति के सामने कहा कि हमने लोगों को देखा है, जो भिखारी होते हैं, लेकिन अगर आप उनके हाथ या उनके कपड़े देखें तो ऐसा लगता है कि वे भिखारी होने का दिखावा कर रहे हैं। वे असल में भिखारी नहीं हैं। क्यूबा में कोई भी भिखारी नहीं है। उन्होंने ये भी दावा किया कि लोग भीख मांगकर शराब पीते हैं। फीतो का यह बयान वायरल हो गया और इसके खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। विरोध प्रदर्शनों में लोगों ने फीतो के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई करने की मांग की गई। भारी विरोध और दबाव के बीच फीतो ने श्रम मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति मिगुएल डियाज कैनाल ने फीतो के बयान को असंवेदनशील करार दिया। दरअसल क्यूबा में आर्थिक हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। कुछ साल पहले तक क्यूबा में भिखारी दिखाई नहीं देते थे और लोग बेघर भी नहीं होते थे, लेकिन अब हालात ये हो गए हैं कि कई लोग, खासकर बुजुर्ग कूड़ा बीनते या फिर कांच साफ करते दिखाई देते हैं। सामाजिक सुरक्षा बेहद कम हो गई है और रिटायर होने के बाद लोगों को 2000 क्यूबा पेसो प्रति माह की पेंशन मिल पा रही है, जो अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 5 डॉलर ही होते हैं। इन पैसों से अंडे की एक कार्टन खरीदना भी मुश्किल है। जिन लोगों को परिजन विदेश में काम नहीं करते उनके लिए दो वक्त का खाना जुटाना भी मुश्किल हो गया है। यही वजह है कि श्रम मंत्री के बयान पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का आरोप है कि सरकार हालात को देख नहीं पा रही है और उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार आर्थिक हालात को सुधारने के लिए जल्द ही कड़े कदम उठाएगी।

व्हाइट हाउस में सुरक्षा चूक, लॉकडाउन लगाया गया: किसी ने सेफ्टी फेंस के ऊपर से फोन फेंका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस में मंगलवार को सुरक्षा चूक की वजह से लॉकडाउन लगाना पड़ा। दरअसल, किसी ने व्हाइट हाउस के सेफ्टी फेंस (सुरक्षा बाड़) के ऊपर से एक फोन फेंक दिया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने मीडिया को बताया- किसी ने बाड़ के ऊपर से अपना फोन फेंक दिया था। इसके तुरंत बाद जरूरी सुरक्षा कदम उठाए गए। आनन-फानन में पत्रकारों को जेम्स ब्रैडी ब्रीफिंग रूम में शिफ्ट करके पेनसिल्वेनिया एवेन्यू को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया। हालांकि, भारतीय समयानुसार रात 09:26 बजे तक हालात सामान्य हो गए। व्हाइट हाउस ने अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। घटना के वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व्हाइट हाउस में थे और पेनसिल्वेनिया जाने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, इस घटना का उनके प्रोग्राम पर कोई असर नहीं पड़ा, और वे अपने तय समय पर पेनसिल्वेनिया रवाना हो गए। व्हाइट हाउस की सुरक्षा को लेकर हाल के सालों में घुसपैठ, साइबर हमले और गोपनीय जानकारी के लीक जैसे कई मामले सामने आए हैं।मार्च 2025- व्हाइट हाउस के सीनियर अधिकारियों ने गलती से सिग्नल ऐप पर एक पत्रकार को यमन में मिलिट्री हमलों की सीक्रेट प्लानिंग भेज दीं थी।

नेतन्याहू के गठबंधन से निकली अहम सहयोगी पार्टी, सैन्य भर्ती कानून पर टकराव, खतरे में आ सकती है सरकार

तेल अवीव , एजेंसी। तेल अवीव इजराइल में पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार को तगड़ा झटका लगा है। उनकी प्रमुख सहयोगी पार्टी यूनाइटेड टोरा जूडाइज्म (यूटीजे) ने मंगलवार को सरकार से समर्थन वापसी की घोषणा कर दी। पार्टी ने कहा कि सैन्य सेवा से धार्मिक यहूदियों को छूट देने वाले बिल पर सहमति नहीं बनने के चलते यह कदम उठाया गया है। यूटीजे के अधिकांश समर्थक रूढ़िवादी यहूदी हैं और वे सैन्य सेवा से छूट की मांग करते रहे हैं। लेकिन गाजा युद्ध के चलते इजराइल में सैन्य बल की जरूरत बढ़ने से यह मुद्दा और विवादास्पद हो गया है। दरअसल, इजराइल की 120 सीटों वाली संसद (नेसेट-निचला सदन में सरकार बनाने के लिए 61 सीटों का बहुमत चाहिए। वहीं, 7 सीटों वाले यूटीजे के साथ छोड़ने के चलते नेतान्याहू की अगुआई वाले गठबंधन के पास कुल 61 सीटें बची है। अगर एक भी सांसद साथ छोड़ता है तो सरकार खतरे में आ जाएगी।

क्या है सेना भर्ती विवाद?

गाजा में जारी युद्ध के बाद से इजराइल सरकार ने सेना को और मजबूत करने के लिए देश के सभी नागरिकों के लिए सैन्य ट्रेनिंग और कुछ सालों के लिए सेना में काम आनिवार्य कर दिया है. इस कानून के अंदर येशिवा छात्रों को भी रखा गया है. येशिवा छात्र वह छात्र हैं, जो दुनिया के कामों से दूर रहकर धर्म की पढ़ाई करते हैं.

गठबंधन छोड़ने की वजह

डेगेल हाटोरा ने एक बयान में कहा कि अपने प्रमुख रब्बियों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद और पवित्र येशिवा छात्रों, जो लगन से अपने अध्ययन में लगे हुए हैं, की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ओर से अपनी प्रतिबद्धताओं के बार-बार उल्लंघन के बादज गठबंधन और सरकार से अपने इस्तीफे की घोषणा की है.

अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पार्टियों ने तर्क दिया है कि येशिवा छात्रों को छूट देने वाला विधेयक 2022 में बने गठबंधन में शामिल होने के उनके समझौते में एक प्रमुख वादा था. गोल्डकनॉफ़ के प्रवक्ता ने साफ किया कि यूनाइटेड तोरा यहूदी धर्म के कुल सात नेसेट सदस्य सरकार छोड़ रहे हैं. बता दें कि फार-राइट स्थ्ढ्ढंह्य लंबे समय से सैन्य भर्ती विधेयक के मुद्दे पर गठबंधन छोड़ने की धमकी दे रहे हैं.

इमरान खान जेल में बंद और पूर्व पत्नी रेहम खान ने बनाई नई पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बीते दो सालों से जेल में बंद हैं। इस बीच उनकी पूर्व पत्नी रेहम खान ने एक नए राजनीतिक दल का ऐलान कर दिया है। मंगलवार को रेहम खान ने कराची के प्रेस क्लब में नए राजनीतिक दल का ऐलान किया और उसका नाम भी बताा। इस दल का नाम होगा- पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी। रेहम खान ने कहा कि यह एक दल नहीं बल्कि आंदोलन है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सही लोग संसद और विधानसभा में पहुंचें। रेहम खान ने कहा कि हम कानून सुधार के लिए लड़ेंगे ताकि लोगों को सीधे फायदा हो। हमारी लड़ाई महिलाओं और किसानों के लिए होगी। हम चाहेंगे कि पाकिस्तान में ऐसी नीतियां बनें जो आम लोगों को फायदां पहुंचाएं।

रेहम खान के विदेश में रहने का मुद्दा भी पत्रकारों ने उठाया। इस पर रेहम खान ने कहा कि पूरा पाकिस्तान ही मेरा घर और निर्वाचन क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि मेरा आंदोलन कोई राजनीतिक नहीं है बल्कि समाज में सुधार का है। हम चाहते हैं कि पाकिस्तान के लोगों में फिर से उम्मीद, गरिमा और सम्मान का भाव जगे। हम चाहते हैं कि आम लोग भी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर सकें। रेहम खान ने कहा कि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार में प्रशासन ठीक से नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि यहां हर काम तब होता है, जब लोग परेशान हो जाते हैं और सड़कों पर उतर आते हैं।

रेहम खान इमरान खान की दूसरी पत्नी थीं। दोनों की शादी 2014 में हुई थी, लेकिन 10 महीने ही साथ रह सके और तलाक हो गया। 2018 में रेहम खान ने अपनी आत्मकथा भी लिखी थी।

इस पुस्तक में उन्होंने इमरान खान से शादी और रिलेशनशिप को लेकर विस्तार से लिखा था। रेहम खान खुद भी पाकिस्तानी मूल की हैं और पश्तून परिवार से ताल्लुक रखती हैं। लेकिन उनका जन्म लीबिया में हुआ था। उनका परिवार लंबे अरसे से पाकिस्तान से दूर रहा है और वह भी सालों तक लंदन में रही हैं। यहां वह बीबीसी में पत्रकार थीं।

आसिम मुनीर के राष्ट्रपति बनने की तैयारी? शहबाज शरीफ से मिले, अटकलें तेज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में बड़े सियासी बदलाव की अटकलें हैं। मंगलवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ सेना प्रमुख आसिम मुनीर और राष्ट्रपति आसिफ जरदारी की मुलाकात ने चर्चाएं और बढ़ा दी हैं। कहा जा रहा था कि मुनीर राष्ट्रपति पद पर जरदारी की जगह ले सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। पाकिस्तान सरकार के मंत्री भी इन्हें खारिज कर रहे हैं।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को राष्ट्रपति आवास में पीएम शरीफ ने जरदारी से मुलाकात की। इसके कुछ देर पहले ही मुनीर पीएम आवास पर पहुंचे और शरीफ से मीटिंग की। मंगलवार शाम हुई एक के बाद एक उच्च स्तरीय बैठक ने राष्ट्रपति बदलने की अटकलों को हवा दे दी है।

अखबार से बातचीत में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि राष्ट्रपति के इस्तीफे और उनकी जगह सेना प्रमुख के लेने का मुद्दा राष्ट्रपति जरदारी और पीएम शहबाज की मीटिंग में उठा जरूर था, लेकिन उन्होंने ऐसी सभी खबरों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि ये अटकलें एक मीडिया स्टोरी के बाद सामने लगने लगी थी, जिसे बाद में संभवतः वापस ले लिया था।

आसिफ ने सभी अटकलों को खारिज किया है और कहा है कि राष्ट्रपति जरदारी को सभी घटनाक्रमों की

जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने सरकार और मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था में पूरा भरोसा दिखाया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति इस मुद्दे से अवगत हैं और सरकार में पूरा भरोसा दिखाया है। उन्होंने कहा कि पीएम ने राष्ट्रपति को अपुष्ट खबरों और घटनाक्रमों से अवगत कराया है।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की है कि पीएम की अगुवाई वाली प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रपति से मिलने से पहले शहबाज शरीफ ने आसिम मुनीर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा के लिए हफ्ते में तीन बार मुलाकात करते हैं। आसिफ ने कहा, सेना प्रमुख को राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है।

गाजा में बढ़ रहा कुपोषण, संयुक्त राष्ट्र की दूत ने नरसंहार रोकने के लिए किया वैश्विक कार्रवाई का आह्वान

बोगोटा, एजेंसी। गाजा में इस्राइल के हमलों और खाद्य आपूर्ति पर लगाए प्रतिबंधों ने हालात बिगाड़ दिए हैं। खाद्य आपूर्ति बंद होने से गाजा पट्टी में बच्चों में कुपोषण की दर दोगुनी हो गई है। वहीं गाजा में संयुक्त राष्ट्र की दूत ने दुनियाभर के देशों से नरसंहार को रोकने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया है। उधर, गाजा में हुए नए इस्राइली हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 90 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं।

20 लाख से ज्यादा फलस्तीनी भुखमरी से जूझ रहे : मार्च में इस्राइल के हमले फिर से शुरू होने और गाजा में सभी खाद्य और अन्य आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाने के बाद से 20 लाख से ज्यादा फलस्तीनी भुखमरी से जूझ रहे हैं। यूएनआरडब्ल्यूए ने कहा कि उसने जून में अपने क्लीनिकों में पांच साल से कम उम्र के लगभग 16,000 बच्चों की जांच की। इसमें पाया कि उनमें से 10.2 प्रतिशत गंभीर रूप से कुपोषित थे। जबकि मार्च में 15,000 बच्चों में से 5.5 प्रतिशत कुपोषित मिले। यूनिसेफ ने भी कहा कि कुपोषण के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस

सप्ताह उसके क्लीनिकों ने जून में बच्चों में कुपोषण के 5,870 मामले दर्ज किए, जो लगातार चौथे महीने की वृद्धि है और फ़रवरी में दर्ज लगभग 2,000 मामलों से दोगुने से भी ज्यादा है।

हमास के सदस्य की मौत : गाजा में शरणार्थी शिविर पर हुए एक हमले में फलस्तीनी विधायिका के 68 वर्षीय हमास सदस्य मोहम्मद फराज अल-घोल की मौत हो गई। जबकि एक पुरुष, एक महिला और उनके छह बच्चे भी मारे गए। शिफा अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि सोमवार शाम गाजा शहर के तेल अल-हवा जिले में एक घर पर हुए सबसे घातक हमलों में एक परिवार के 19 सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में आठ महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक दैनिक रिपोर्ट में कहा कि पिछले 24 घंटों में इस्राइली हमलों में मारे गए 93 लोगों के शव गाजा के अस्पतालों में लाए गए हैं। जबकि 278 लोग घायल भी हैं।

हर देश करे इस्राइल के साथ संबंधों की समीक्षाः अल्बानीज : गाजा में संयुक्त राष्ट्र की दूत फ्रांसेस्का अल्बानीज ने कोलंबिया की राजधानी में 30 देशों के प्रतिनिधियों से बात की। कई प्रतिभागी देशों ने इस हिंसा को फलस्तीनियों के विरुद्ध नरसंहार बताया है। अल्बानीज़ ने कहा कि हर देश को तुरंत इस्राइल के साथ सभी संबंधों की समीक्षा करनी चाहिए और उन्हें निलंबित करना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसका निजी क्षेत्र भी ऐसा ही करे। इस्राइली अर्थव्यवस्था इस कब्जे को बनाए रखने के लिए बनी है जो अब नरसंहार में बदल गया है।इस सम्मेलन की सह-अध्यक्षता दक्षिण अफ्रीका और कोलंबिया ने की है। इसमें हेग समूह के सदस्य भी भाग ले रहे हैं, जो आठ देशों का एक गठबंधन है, जिसने हाल ही मेंइस्राइल के साथ सैन्य संबंध समाप्त करने तथा नेतन्याहू के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट का अनुपालन करने का वचन दिया था।

सम्मेलन में देशों ने कहा है कि वे पिछले साल जारी अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के उस फैसले का पालन करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें कहा गया था कि फलस्तीनी क्षेत्रों पर इस्राइल का कब्जा अवैध है। दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के प्रवक्ता क्रिसपिन फिरी ने कहा कि यह जरूरी है कि हम सार्थक तरीके से कानून के शासन के लिए खड़े हों। यह विचार कि अंतरराष्ट्रीय कानून केवल वैश्विक दक्षिण के देशों पर ही लागू किया जा सकता है, अब टिकाऊ नहीं रह गया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत लूट विद मर्डर केस में दो और आरोपी गिरफ्तार

पुलिस को लोकेशन न मिले इसलिए किसी ने भी साथ में मोबाइल नहीं रखा भागते समय ट्रेन टिकट नहीं होने पर TC ने जुर्माना भी लगाया था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के साचिन इलाके में स्थित श्रीनाथजी ज्वेलर्स में चार लुटेरों ने दुकान के मालिक की हत्या कर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। घटना के समय एक लुटेरे को लोगों ने पकड़ लिया था और पुलिस को सौंप दिया था, जबकि तीन आरोपी फरार हो गए थे।

सूरत पुलिस ने दो और आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार कर सूरत लाया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। जांच में खुलासा हुआ है कि ये सभी आरोपी पुराने अपराधी हैं और जेल में एक-दूसरे से मिलकर उन्होंने इस अपराध की योजना बनाई थी।

जब आरोपी सूरत में लूट और हत्या को अंजाम देने आए थे, तब उन्होंने पहले से ही अपने मोबाइल फोन बिहार में छोड़ दिए थे,ताकि पुलिस उनकी लोकेशन ट्रेस न कर सके। हालांकि, वारदात के समय एक आरोपी पकड़ लिया गया, जिससे उनकी चालाकी ज्यादा काम नहीं आई।

घटना के बाद सभी आरोपी ट्रेन से बिहार भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनके पास ट्रेन की टिकट नहीं थी, जिस कारण टिकट चेकर (TC) ने उन पर जुर्माना भी लगाया था।

इस आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश होने पर चौंकाने वाली जानकारियाँ सामने आई हैं। कुल 4 सदस्यों वाली इस कुख्यात गैंग के सदस्यों की पहचान जेल के अंदर हुई थी। बिहार की अलग-अलग जेलों में विभिन्न गंभीर अपराधों के चलते सजा काट रहे इन आदतन अपराधियों ने जेल से रिहा होने के बाद एक-दूसरे से संपर्क बनाए रखा।

गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले इन आरोपियों ने जेल से बाहर आने के बाद एक संगठित आपराधिक गैंग का निर्माण किया। यह गैंग बिहार में ज्वेलर्स की लूट, पेट्रोल पंप पर डकैती, चोरी, बैंकों में लूट, हमला, NDPS (नारकोटिक्स) और आर्म्स एक्ट जैसे अनेक गंभीर अपराधों में संलिप्त रही है, जो इनके खतरनाक आपराधिक रिकॉर्ड को दर्शाता है।

इस गैंग का मुख्य सूत्रधार और सरगना दीपक शिवजी पासवान है, जो पहले सूरत जिले के कडोदरा इलाके में रहता था। सूरत शहर और उसके आसपास के इलाकों की भूगोल और परिस्थितियों से वह अच्छी तरह वाकिफ था। उसे पता था कि सूरत के छोर पर स्थित साचिन जैसे क्षेत्रों में, जहां रात के समय दुकानें बंद हो जाती हैं, वहां लूट की अनुकूल परिस्थिति बनती है और बड़ी मात्रा में नकदी व कीमती सामान हाथ लग सकता है।

इसी जानकारी का फायदा उठाते हुए दीपक पासवान ने अपने तीन अन्य साथियों को सूरत में एक ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाने की विस्तृत योजना बताई और उन्हें जरूरी 'टीप' (सूचना)दी, ताकि अपराध को अंजाम दिया जा सके।

7 जुलाई की रात को, दीपक पासवान के नेतृत्व में चार लुटेरे सूरत के साचिन इलाके में स्थित श्रीनाथजी ज्वेलर्स में घुस गए। उन्होंने दुकान के मालिक आशिषभाई और कर्मचारियों को पिस्तौल की नोंक पर बंधक बनाकर लूट का प्रयास किया। हालांकि, लुटेरों के इरादों को नाकाम करने के लिए आशिषभाई ने बहादुरी से मुकाबला किया। उनके इस प्रतिकार के कारण लुटेरों ने फायरिंग कर दी, जिसमें आशिषभाई की दुखद मौत हो गई।

इस घटना के बाद, स्थानीय लोगों की सतर्कता और बहादुरी के चलते चार लुटेरों में से एक आरोपी दीपक पासवान को घटनास्थल पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

इस गंभीर अपराध की जांच के लिए सूरत क्राइम ब्रांच ने तुरंत तीन अलग-अलग टीमें बनाई, जिनमें 2 PI, 1 PSI और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने गहन प्रयास किए और जांच को बिहार तक बढ़ाया।

पुलिस टीमों ने बिहार के हाजीपुर और समस्तीपुर में सर्च ऑपरेशन चलाया। अंतत: पुलिस ने आरोपी संजय चंद्रदेव को हाजीपुर से और अविनाश को समस्तीपुर से सफलता पूर्वक गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों आरोपियों के पास से लूटे गए 10 लाख नकद भी बरामद किए गए।

पुलिस जांच में सामने आया कि ये दोनों आरोपी बेहद चालाक और आदतन अपराधी हैं। वे सूरत आने से पहले ही अपने मोबाइल फोन बिहार में बंद करके छोड़ आए थे, ताकि पुलिस को उनकी गतिविधियों की कोई भनक न लगे। लूट की वारदात को अंजाम देने से दो दिन पहले ही वे सूरत पहुंचे थे और पुलिस से बचने के लिए लगातार अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के यहां छिपकर रह रहे थे।

स्क्रैप गोदाम में काम करने वाली युवती से मालिक द्वारा बलात्कार,युवती ने बच्चे को जन्म दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्रमिक परिवार की 21 वर्षीय युवती ने बापोद पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। उसने बताया कि छह साल पहले उसने आजवा रोड, एकता नगर, नूरानी मोहल्ले के नाके पर स्थित "जाकिर ट्रेडर्स" नामक स्क्रैप (भंगार) के कारखाने में स्क्रैप छांटने की नौकरी शुरू की थी। उस समय कारखाने में उसके साथ दो अन्य महिलाएं भी काम करती थीं।

नौकरी शुरू करने के दो महीने बाद जाकिर ट्रेडर्स के मालिक उमर सैयद ने उससे बातचीत शुरू की। नौकरी शुरू करने के करीब पांच महीने बाद एक दिन दोपहर में उमर सैयद ने कहा कि गोदाम के अंदर सफाई का काम है। जब वह अंदर गई, तब उमर ने उसके साथ जबरदस्ती की। उसने विरोध किया, लेकिन उमर ने उसकी मां और भाई को जान से मारने की धमकी दी, जिससे वह डर गई और उमर ने उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद उमर सैयद बार-बार उसे डराकर और धमकाकर हर तीन-चार दिन में उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाता रहा।

करीब आठ महीने पहले मेरा मासिक धर्म बंद हो गया था, तो मैंने उमर सैयद को इस बारे में बताया था, लेकिन उसने मेरी बात को बिल्कुल नजरअंदाज कर दिया। डर के कारण मैंने अपने घर पर भी किसी को कुछ नहीं बताया।

गत 13 तारीख को जब मुझे पेट में तेज दर्द हुआ, तो मुझे जमनाबाई अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां मैंने एक बच्चे को जन्म दिया।

वापी में ऑनलाइन जुए का अड्डा पकड़ा गया

तीन मंजिला बिल्डिंग से 21 आरोपी गिरफ्तार, 6.42 लाख का सामान जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले के वापी तालुका के बलिठा कोलीवाड़ा इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। तीन मंजिला बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर चल रहे गैरकानूनी ऑनलाइन जुए के नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। वलसाड लोकल क्राइम ब्रांच (LCB) की टीम ने छापा मारकर 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया है कि धीरल अशोकभाई पटेल और अशोकभाई नमुभाई पटेल इस जुए के अड्डे का संचालन कर रहे थे। उन्होंने गिरफ्तार आरोपियों को मासिक वेतन पर नौकरी पर रखा था। ये आरोपी Lein wy|, Aviator, Dragon Tiger, Casino और Cricket Betting जैसे ऑनलाइन गेमिंग एप्लिकेशनों के जरिए जुआ खिलाते थे।

पुलिस ने इस कार्रवाई में:
9 कंप्यूटर/लैपटॉप
78 मोबाइल फोन
67 एटीएम कार्ड
49 पासबुक
19 कुर्सियाँ
1 डीवीआर
4 सीसीटीवी कैमरे
2 स्मार्ट टीवी
7 वाई-फाई राउटर
मिलाकर कुल 6.42 लाख का मुद्दामाल (सामान) जब्त किया है।

वॉन्टेड आरोपी अभिषेक यादव पूरे ऑपरेशन का मैनेजमेंट संभालता था। ग्राहकों को ID और पासवर्ड देकर जुआ खेलने दिया जाता था। जीती हुई राशि WhatsApp ग्रुप के माध्यम से सूचित कर ग्राहकों के खातों में ट्रांसफर की जाती थी।

वापी टाउन पुलिस स्टेशन इस मामले की आगे की जांच कर रहा है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में भारत में सबसे आगे रहकर सूरत ने रचा इतिहास

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में सूरत शहर ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में पूरे देश में सर्वोत्तम स्थान प्राप्त करके एक नया इतिहास रच दिया है। वर्ष 2023 में भी सूरत देश का नंबर वन शहर बना था, और उसके बाद 2024 में सूरत को च्सुपर लीगज में स्थान मिला था। इस सुपर स्वच्छ लीग में सूरत का ऑलराउंड प्रदर्शन देखने को मिला और एक बार फिर सूरत को देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए दिल्ली के विज्ञान भवन में सूरत को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारत सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के दिशा-निर्देशों के अनुसार अन्य शहरों को प्रेरणा देने हेतु च्सुपर स्वच्छ लीगज नामक एक नई श्रेणी शुरू की है, जो पारंपरिक रैंकिंग की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस सुपर स्वच्छ लीग में उन शहरों को शामिल किया गया है, जिन्होंने पिछले तीन सर्वेक्षणों में से कम से कम दो बार शीर्ष तीन में स्थान प्राप्त किया हो। इस श्रेणी में देशभर के कुल 12 शहरों को उनकी जनसंख्या के आधार पर पाँच वर्गों में बाँटकर चयन किया गया था।

दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सूरत ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। आज दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छ भारत मिशन के विशेष कार्यक्रम में सूरत महानगरपालिका को उत्कृष्ट स्वच्छता कार्य के लिए राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार प्रदान किया गया। सूरत की ओर से यह पुरस्कार राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, म्युनिसिपल कमिश्नर शालिनी अग्रवाल और मेयर दक्षेश मावाणी ने स्वीकार किया।

टीम पालिका आज सूरत वापस लौटेगी और शाम को डुमस रोड पर वाय जंक्शन के पास सूरत महानगरपालिका द्वारा इस उपलब्धि का जश्न मनाने की तैयारी कर ली गई है।

कार लोन घोटाले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

दमन के विजय पाटिल ने गरीबों के नाम पर करोड़ों की ठगी की

20 से ज्यादा परिवार बैंक नोटिस और कोर्ट के चक्कर में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमन के दिलीपनगर इलाके से वलसाड जिले की पारडी पुलिस ने कार लोन घोटाले के मुख्य आरोपी विजय ओंकार पाटिल (50 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले डेढ़ साल से फरार था।

विजय पाटिल कम पढ़े-लिखे बैंक खाता धारकों को लालच देकर उनके दस्तावेज ले लेता था और उनके नाम पर महंगी कारों के लिए लोन की डिमांड करता था। उसने विभिन्न बैंकों से इन खाताधारकों के नाम पर महंगी कारों के लोन मंजूर करवाए, और फिर उन कारों को अन्य लोगों को बेच दिया।

पुलिस ने 2 जनवरी 2024 को इस घोटाले में केस दर्ज किया था। तब जयेश हलपति, जिमी राठौड़, अल्मास शेख और अंकित ठाकोर नामक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। जांच में पता चला कि ये सभी आरोपी हर कार की बिक्री पर विजय पाटिल को 50,000 तक का कमीशन देते थे।

इस घोटाले के कारण 20 से अधिक गरीब परिवार बैंक नोटिस और कोर्ट केस में उलझ गए हैं। जब बैंकों के चेक बाउंस हुए और रिकवरी की प्रक्रिया शुरू हुई, तब इस पूरे घोटाले का पर्दाफाश हुआ।

पुलिस को शक है कि इस घोटाले में और भी लोग शामिल हैं, इसलिए जांच का दायरा बढ़ाया गया है। पारडी पुलिस अब लोन से जुड़े सभी दस्तावेजों और फर्जी लोन के सबूतों की गहराई से जांच कर रही है।

164 से अधिक करेंट बैंक अकाउंट्स की गहन छानबीन शुरू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

श्वष्ठ ने इस रैकेट में उपयोग किए गए 164 से अधिक करेंट बैंक अकाउंट्स की गहन छानबीन शुरू कर दी है। प्राथमिकता यह जांचने की है कि इन खातों के जरिए हवाला नेटवर्क के माध्यम से धन का उपयोग कैसे किया गया। उधना पुलिस द्वारा अब तक इकट्ठा किए गए बयान, दस्तावेज और सबूत ईडी को सौंप दिए गए हैं, जिनके आधार पर अब केंद्रीय एजेंसी जांच को आगे बढ़ा रही है।

इस घोटाले का अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन क्यूबा से जुड़ा पाया गया है। आरोपी अलग-अलग बैंकों में करेंट अकाउंट खोलकर, उनमें से क्रिप्टोकरेंसी और साइबर फ्रॉड के लेनदेन को अंजाम दे रहे थे। इससे पता चलता है कि घोटाला बहुत ही सुनियोजित, व्यापक और गहराई तक फैला हुआ है।

इस घोटाले का खुलासा सबसे पहले सूरत की उधना पुलिस ने साइबर फ्रॉड की एक शिकायत दर्ज करके किया था। इस जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि एक आरोपी अवैध फॉरेक्स ट्रेडिंग रैकेट भी चला रहा है। अब श्वष्ठ सिर्फ साइबर फ्रॉड तक सीमित नहीं है, बल्कि वह फॉरेक्स ट्रेडिंग के पैसे के लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग की भी परतें खोलने जा रही है।

यह मामला गुजरात का सबसे बड़ा साइबर फ्रॉड घोटाला माना जा रहा है जिसमें क्रिप्टो, हवाला, फॉरेक्स और अंतरराष्ट्रीय लिंक शामिल हैं। श्वष्ठ की एंट्री से अब मामला और गंभीर होता जा रहा है और आने वाले समय में इसमें और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है।

गुजरात के 2050 करोड़ के साइबर फ्रॉड घोटाले में एक और महत्वपूर्ण गिरफ्तारी हुई है। दीप मुकेश खेंनी (उम्र 25, निवासी मेरी गोल्ड क्रेस्टा अपार्टमेंट, सरथाणा जकातनाका, मूल निवासी भावनगर) को गिर सोमनाथ से गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी 21 मई को उधना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान किरात जाडवाणी और मित खोखर की गिरफ्तारी के बाद जारी जांच का हिस्सा है।

स्वच्छता उपकरणों की खरीद में SMC पर घोटाले का आरोप

16 मैकेनिकल स्वीपर मशीनें कंपनी से सीधे नहीं खरीदीं, बढ़े हुए खर्च पर लीगल नोटिस का नहीं मिला संतोषजनक जवाब — विजय पानसेरिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

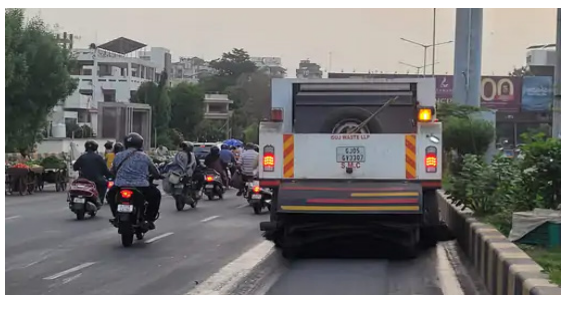

सूरत नगर निगम (SMC) पूरे देश में स्वच्छता के मामले में पहले स्थान पर है। शहर को साफ रखने के लिए निगम करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है और आधुनिक उपकरण भी खरीद रहा है। इसी क्रम में 16 नई मैकेनिकल स्वीपर मशीनों की खरीद और उनके ऑपरेशन व मेंटेनेंस को लेकर पूर्व कॉर्पोरेटर विजय पानसेरिया ने SMC को लीगल नोटिस भेजा था। इस मामले से निगम में खलबली मच गई है।

हर साल करोड़ों की खरीदारी करने वाले नगर निगम में कई बार खरीद में गड़बड़ी की आशंका रहती है। इस बार 22 करोड़ में खरीदी गई 16 मशीनों का 10 वर्षों में ऑपरेशन और मेंटेनेंस पर 204 करोड़ खर्च करने की योजना है, जो सवालों के घेरे में है। फरवरी में भेजे गए लीगल नोटिस का जवाब SMC ने जुलाई में दिया, वह भी पुरानी तारीख डालकर। जवाब में न तो नियमों का हवाला दिया गया, न ही खरीदी की पारदर्शिता पर संतोषजनक उत्तर मिला। नोटिस में उठाए गए कंपनी से सीधे खरीद के बजाय थर्ड पार्टी से खरीद, प्राइवेट कंसल्टेंसी पर खर्च, वॉरंटी-गारंटी नीति में अनियमितता, और गुजरात सरकार की 2016 की खरीद नीति के उल्लंघन जैसे गंभीर आरोपों पर कोई कानूनी तर्क नहीं दिया गया।